

वंदे मातरम के 150 वर्ष: पीएम मोदी ने स्मरणोत्सव का किया शुभारंभ;स्मृति डाक टिकट और सिक्का भी किया जारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने पर राष्ट्रव्यापी स्मरणोत्सव का शुभारंभ किया है। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने डाक टिकट और स्मारक सिक्का भी जारी किया है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित वर्ष भर चलने वाले स्मरणोत्सव का शुभारंभ किया है। इस कड़ी में प्रधानमंत्री मोदी इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में राष्ट्रीय गीत %वंदे मातरम% के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में शामिल

संक्षिप्त समाचार

इंडोनेशिया के स्कूल परिसर में बनी मस्जिद में धमाके, बच्चों समेत 54 लोग घायल; तीन गंभीर

इंडोनेशिया के हाई स्कूल परिसर में बनी मस्जिद में सिलसिलेवार धमाके होने की खबर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन धमाकों में अब तक 54 लोग घायल हुए हैं। पुलिसकर्मियों ने घटनास्थल को घेर लिया है। राहत और बचाव कार्य चलाया जा रहा है।इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में एक हाई स्कूल परिसर में बनी मस्जिद में शुक्रवार को जुमे की नमाज के दौरान धमाके हुए। धमाकों की चपेट में आने से कम से कम 54 लोग घायल हुए हैं। इनमें अधिकांश छात्र शामिल हैं। धमाकों का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं है। जकार्ता पुलिस प्रमुख एसेप ईदी सुहेरी ने बताया कि शुरुआती जांच के मुताबिक विस्फोट मस्जिद के लाउडस्पीकर के पास हुए हैं।खिलौने वाली राइफल और पिस्टल बरामद- जकार्ता पुलिस प्रमुख एसेप ईदी सुहेरी ने बताया, पुलिस की एंटी-बॉम्ब स्कॉड ने मस्जिद की तलाशी ली। जांच दल ने घटनास्थल से खिलौने वाली राइफल और पिस्टल बरामद की है। धमाकों के कारणों की जांच की जा रही है। घायलों को स्थानीय अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।अस्पताल में भर्ती कराए गए घायल छात्र, कई लोगों की हालत गंभीर- अस्पताल में भर्ती कराए गए कुछ लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस प्रमुख सुहेरी ने लोगों से अपील की है कि घटना को लेकर जल्दबाजी में कोई निष्कर्ष या अफवाह न फैलाएं।

पीएम मोदी बोले- जनता अब जंगलराज नहीं चाहती है, यह पहले चरण के मतदान ने तय कर दिया



हुए।इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी %वंदे मातरम% के पूर्ण संस्करण के सामूहिक गायन में शामिल हुए और एक पोर्टल भी लॉन्च किया।स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी किया जारी- प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर एक स्मारक डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया है। यह कार्यक्रम 7 नवंबर 2025 से 7 नवंबर 2026 तक चलने वाले एक साल के राष्ट्रव्यापी स्मरणोत्सव का औपचारिक शुभारंभ है। इस राष्ट्रव्यापी स्मरणोत्सव का उद्देश्य भारत के स्वतंत्रता संग्राम को प्रेरणा देने वाले गीत वंदे मातरम के महत्व को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है।7 नवंबर 2026 तक चलेगा स्मरणोत्सव-यह कार्यक्रम 7 नवंबर 2025 से लेकर 7 नवंबर 2026 तक चलेगा। पूरे देश में विभिन्न सांस्कृतिक, शैक्षणिक और जनसहभागिता वाले आयोजन होंगे। मुख्य समारोह के दौरान देशभर के लोग सुबह करीब 9-50 बजे वंदे मातरम के पूर्ण संस्करण का सामूहिक गायन करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, यह भारत माता की आत्मा की अभिव्यक्ति है। 1875 में अक्षय नवमी के दिन लिखा गया था गीत- वर्ष 2025 में वंदे मातरम की रचना के 150 वर्ष पूरे हो रहे हैं। यह गीत बंकिमचंद्र चटर्जी ने 7 नवंबर 1875 को अक्षय नवमी के दिन लिखा था। बाद में यह उनके प्रसिद्ध उपन्यास 'आनंदमठ' के एक अंश के रूप में साहित्यिक पत्रिका 'बंगदर्शन' में प्रकाशित हुआ। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के लिए बिहार में टफ जोन औरंगाबाद है। पिछले चुनाव में यहां की छह विधानसभा सीटों पर एनडीए को हार का सामना करना पड़ा था। पीएम मोदी ने आज चुनावी सभा के जरिए बदलाव की अपील की और एनडीए प्रत्याशियों के लिए वोट मांगा। उन्होंने राजद-कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोद औरंगाबाद में चुनावी सभा



को संबोधित करने मंच पर पहुंच चुके हैं। एनडीए के वरिष्ठ नेताओं ने उनका स्वागत किया। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि लालटेन वाले भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। लालू-रावड़ी राज में कोई काम नहीं है। सीएम नीतीश कुमार ने बिहार में सुशासन लाया। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं इस क्षेत्र की सभी महानिभूतियों को नमन करता हूं। बिहार में पहले चरण के मतदान ने अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। बिहार के इतिहास का अब तक का सबसे अधिक मतदान हुआ है। हमारी माताएं-बहनें सुबह से ही कतार लगाकर खड़ी हो गईं। पहले चरण में करीब 65 प्रतिशत मतदान हुआ। यह दिखाता है कि एनडीए सरकार की वापसी का मोर्चा खुद बिहार की जनता, युवा, महिला और किसानों ने संभाला है। पहले चरण के मतदान से स्पष्ट है कि बिहार के लोग अब किसी भी कीमत पर जंगलराज को लौटने देना नहीं चाहते हैं। बिहार का नौजवान राजद के झूठे वादों पर वोट नहीं दे रहा है। राजद ने झूठे वादों का भ्रम फैलाने की कोशिश की। इनके वादों पर खुद कांग्रेस को भरोसा नहीं है। पहले चरण के मतदान ने तय कर दिया कि इस बार फिर से एनडीए सरकार आएगी। पीएम नरेंद्र मोदी ने एनडीए सरकार के कामों को गिनाया। उन्होंने कहा कि मोदी ने कहा था कि राम मंदिर बनेगा। मंदिर बन गया। डंके की चोट पर बना। 500 साल का अधूरा काम पूरा हुआ। उन्होंने कहा कि मैंने 370 हटाने की बात कही थी।

वह भी हट गया। बिहार की इसी धरती से पहलगाम हमले की बात कही थी। इसके बाद आपने ऑपरेशन सिंदूर से तबाह होते पाकिस्तान को देखा। मैंने वन रैंक वन पेंशन की बात की। आज सात नवंबर को ही इसे लागू हुए 11 वर्ष हो रहे हैं। हमारे सैनिक परिवार चार दशकों से वन रैंक वन पेंशन की मांग कर रहे थे। लेकिन, कांग्रेस हर बार उनसे झूठ बोलती रही। कांग्रेस ने फौजियों से किया हुआ वादा तक नहीं निभाया। मैंने फौजियों को ओआरओपी लागू करने की गारंटी दी। इन 11 साल में हमारे फौजी भाई-बहन को अब तक एक लाख करोड़ रुपये वन रैंक वन पेंशन के बाद दिए गए। राजद वालों को तो यह नहीं पता कि एक लाख करोड़ में एक के पीछे कितने शून्य लगेंगे।जंगलराज वाले जमानत पर चल रहे हैं% पीएम मोदी ने कहा कि जब हम कहते हैं कि हमलोग आने वाले पांच साल में एक करोड़ रोजगार देंगे तो उन्हें हमारी बात पर भरोसा है। आपके सामने राजद और कांग्रेस का ट्रैक रिकॉर्ड भी है। यह वो लोग हैं जो बिहार में लोगों से नौकरी के बदले जमीन लिखवा लेते हैं। इस बात को अदालत ने भी माना है। यह जंगलराज वाले जमानत पर चल रहे हैं। राजद और कांग्रेस वाले बिहार के युवाओं को कभी भी नौकरी नहीं दे सकते हैं। औरंगाबाद वाले तो नक्सलवाद और माओवाद से पीड़ित रहे हैं। वह दिन भूल नहीं पाएंगे आप जब शाम होते ही लोग घर से बाहर निकलने में डरते थे। इस क्षेत्र की चर्चा देश और दुनिया में नरसंहारों के लिए होती

थी। जैसे ही जंगलराज की सरकार गई। नीतीश कुमार को आपने लाया तो नरसंहार बंद हो गई। जब आपने दिल्ली में मुझे बैठाया तो नक्सलवाद के खिलाफ कार्रवाई की। आज बिहार माओवादी आतंक की डर से मुक्त हो चुका है। यह इसलिए हुआ क्योंकि बिहार में डबल इंजन की सरकार है। जंगलराज और सुशासन में क्या अंतर आया है? यह कल हमने देखा है। कल बिहार में दलित, गरीब, पिछड़े और अतिपिछड़े ने वोट डाला। जंगलराज में मतदान के वक्त बमबाजी करते थे। लोगों को डराते थे। मैं चुनाव आयोग को बधाई देता हूं कि प्रथम चरण के चुनाव इतने अच्छे तरीके संपन्न करवाए थे। विदेश से लोग कल के मतदान को देखने आए थे। जंगलराज वाले बच्चों को रंगदार बना रहे हैं पीएम मोदी ने कहा कि जंगलराज वालों के बाद ऐसी चीजें हैं, जो निवेश के लिए खतरा है। जंगलराज वाले बच्चों को रंगदार बना रहे हैं। यह लोग अभी से ही कह रहे हैं भैया की सरकार आएगी तो कट्टा खुलेआम मिलेगा। पीएम मोदी ने कहा कि बिहार को कट्टा सरकार नहीं चाहिए। बिहार को कुशासन सरकार नहीं चाहिए। बिहार को एनडीए की सरकार चाहिए। इसलिए बिहार एनडीए के ईमानदार संकल्प पत्र पर विश्वास करता है। एनडीए ने पंचायती राज, सरकारी नौकरी में महिलाओं को आरक्षण दिया। यह एनडीए ही है, जिसने विधानसभा और लोकसभा में महिलाओं को आरक्षण दिया। पीएम ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि संविधान लिखने वाले लोगों को सामान्य समाज की याद नहीं आई। लेकिन, मोदी ने सामान्य वर्ग के गरीबों को 10 प्रतिशत आरक्षण देने का काम किया। कांग्रेस और राजद वाले अपमान की राजनीति करते हैं पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस और राजद सिर्फ अपमान और गाली-गलौज की राजनीति करते हैं। इन लोगों को हमारे पर्व और त्योहारों से भी चिढ़ है। कांग्रेस के नामदार छठ महापर्व को नौटंकी और ड्रामा करते हैं। उन्होंने महान तपस्या का अपमान किया। आप लोग इस चुनाव में उन्हें सजा जरूर देना है। 11 नवंबर को आप सब इन्हें एक वोट से सजा देनी है। एनडीए की अब तक की सबसे बड़ी विजय इस चुनाव में पक्की है। 14 नवंबर के बाद अब विजय उत्सव की तैयारी कीजिए। आप सभी एनडीए सरकार को वोट कीजिए।

पूरा चुनाव ही चोरी कर लिया गया, राहुल गांधी का पीएम मोदी पर तीखा हमला

राहुल गांधी ने कहा, यह एक सामान्य सी बात है। मैंने अपनी प्रेजेंटेशन में दिखाया कि हरियाणा चुनाव, चुनाव नहीं था, और बड़े पैमाने पर चोरी हुई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को एक बार फिर भाजपा पर वोट चोरी के आरोप लगाए। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पूरा चुनाव चोरी किया गया और नरेंद्र मोदी, चुनाव चोरी करके प्रधानमंत्री बने हैं। हालांकि भाजपा ने राहुल गांधी के आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि राहुल गांधी अपनी नाकामी को छिपाने के लिए देश के लोकतंत्र को बदनाम कर रहे हैं। राहुल गांधी का आरोप- पीएम मोदी चुनाव चोरी करके प्रधानमंत्री बने राहुल गांधी ने आरोप लगाया, हमारे पास बहुत सारा मैटेरियल है। हम वोट चोरी का पर्दाफाश करने की प्रक्रिया जारी रखेंगे। हम भारत के जेन^०, युवाओं को साफ तौर पर दिखाएंगे कि नरेंद्र मोदी, चुनाव चोरी करके प्रधानमंत्री बने हैं और भाजपा चुनाव चोरी करती है। बुधवार



की अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने कहा, यह एक सामान्य सी बात है। मैंने अपनी प्रेजेंटेशन में दिखाया कि हरियाणा चुनाव, चुनाव नहीं था, और बड़े पैमाने पर चोरी हुई है। राहुल गांधी ने कहा कि %मेरे द्वारा लगाए गए सभी आरोपों पर चुनाव आयोग की ओर से कोई जवाब नहीं आया है और भाजपा लगातार चुनाव आयोग का बचाव कर रही है। लेकिन, वे मेरी कही बात को गलत नहीं बता रहे हैं।% राहुल गांधी ने दावा किया था कि हरियाणा चुनाव के दौरान मतदाता सूची में 25 लाख एंटी फर्जी थीं

और चुनाव आयोग ने पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए भजापा के साथ मिलीभगत की थी। राहुल का आरोप- संविधान पर हमला हो रहा लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि मीडिया ब्राजीली मॉडल के मुद्दे को उठा रहा है, लेकिन सच्चाई यह है कि नरेंद्र मोदी, अमित शाह और चुनाव आयोग मिलकर संविधान पर हमला कर रहे हैं। गांधी ने कहा कि संविधान कहता है - एक आदमी, एक वोट, लेकिन हरियाणा दिखाता है कि हरियाणा में एक आदमी, एक वोट नहीं था। एक आदमी था, कई वोट थे, एक ब्राजीलियाई महिला का वोट था, एक महिला के पास एक ही बूथ में एक महिला की 200 तस्वीरें थीं। यही काम वे बिहार में करने जा रहे हैं, उन्होंने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी ऐसा किया है और हरियाणा में भी ऐसा हुआ है। और गुजरात में भी यह बार-बार हो रहा है। तो यह मुख्य मुद्दा है।

अखिलेश यादव से मिले सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां, एक्स पर तस्वीर जारी कर लिखी बात

सपा के वरिष्ठ नेता आजम खां ने शुक्रवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की। इस दौरान उनके बेटे अब्दुल्ला भी मौजूद रहे।समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां लखनऊ में हैं। शुक्रवार को उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की जिसकी तस्वीरें सपा अध्यक्ष ने एक्स पर जारी की। इस मुलाकात में आजम के बेटे अब्दुल्ला भी मौजूद रहे।एक्स पर तस्वीरें पोस्ट करते हुए अखिलेश यादव ने लिखा कि न जाने कितनी यादें संग ले आए जब वो आज हमारे घर पर आए! ये जो मेलमिलाप है यही हमारी साझा विरासत है।50 साल की सियासत के बावजूद लखनऊ में मेरी कोई कोठी नहीं आजम खां गुरुवार को लखनऊ पहुंचे और एक होटल में रुके। उन्होंने सपा के कुछ नेताओं से भी मुलाकात की। उन्होंने बातचीत में कहा कि 50 साल की सियासत के बावजूद लखनऊ में मेरी कोई कोठी नहीं है, फिर भी मुझे भूमाफिया घोषित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री के कट्टा वाले बयान पर तंज कसते हुए कहा कि हमारे यहां तो कट्टे बेचने वाले का बेटा विधायक हो गया। उसे केंद्र सरकार के गार्ड मिले हुए हैं। वर्ष 1975 में जो कट्टे के ड्रम के साथ गिरफ्तार हुआ, वह खुद विधायक बना और उसका बेटा आज विधायक है।



काफी गुस्सा खाया गया। इसकी जानकारी किसी को नहीं दी गई। वह लखनऊ के एक होटल में रुके। वहां राजनेताओं खासकर सपाइयों के आने-जाने पर सरगमी बढ़ी और लोगों को इसकी जानकारी हुई। उनसे मुलाकात करने वालों में पूर्व मंत्री अभिषेक मिश्रा और मुख्तार अंसारी के बड़े भाई पूर्व विधायक सिबगतुल्लाह को वहां देखा गया। वहीं, आजम खां ने हैदर अब्बास की लिखी पुस्तक %सीतापुर की जेल डायरी% का विमोचन किया। %अगर भूमाफिया होता तो मेरे पास भी कोठी होती% उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मैं भूमाफिया होता तो लखनऊ में मेरे पास भी कोठी होती। रामपुर में जहां रहता हूं बारिश में पानी भर जाता है। तंज करते हुए कहा कि सवाल मत पूछिये उत्तर प्रदेश की

कानून-व्यवस्था बेहतर है। उन्होंने कहा कि बिहार में आज भी जंगलराज है। इसके चलते वे वहां चुनाव प्रचार करने नहीं गए। जानवरों से लड़ने और जिनके पास सक्षम हथियार हैं, वही लोग वहां गए। उनके पास कोई सुरक्षा नहीं है। इसलिए वह उस जंगल तक नहीं गए। उन्होंने कहा कि हम किसी राज्य को जंगल कहें यह तौहीन है। ऐसे अल्फाज के लिए जम्हूरियत में कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री के बिहार में कट्टे को लेकर दिए बयान पर कहा कि अगर जानकारी है, तो बताएं कि कितने बरस कट्टा बिका। हमारे यहां तो कट्टा बेचने वाले का बेटा विधायक हो गया। उसे केंद्र सरकार के गार्ड मिले हुए हैं। वर्ष 1975 में जो कट्टे के ड्रम के साथ गिरफ्तार हुआ, वह खुद विधायक बना और उसका बेटा आज विधायक है।

संपादकीय Editorial

The Religion of Permissions

In Himachal, file mold often sabotages the state's ambitious projects. Resolutions that traverse the margins of various types of permissions become victims of political maneuvering. Some permissions seem so simple that, instead of embankment of ravines, rivers, and swamps, the state's border areas burn all restrictions to the ground by mining sand and gravel. If one were to find Himachal's wealthy class, they would be found in the mining of ravines or the business acumen of crushers. Furthermore, they are building palaces by cutting down hills or establishing new businesses by purchasing fertile land. The decaying morality of mining and contracting has even altered society's desires. The simplification of Section 118 and the political rhetoric associated with it find new Majumdars in every government. Permission controversies and permission scandals have resulted in land mafias in Himachal Pradesh dividing so much land that ordinary people have to go to Chandigarh to get a flat. It's a different matter that selling land has become a more profitable business in Himachal than farming. RERA permits have now spread the trap of a culture of flats. From permits to approvals, new desires are being printed in Himachal. This has led to the proliferation of over-education. Now, the rationale for education in private investment is to divide education, while the B.Ed. colleges distributed across the state are doing injustice to the teaching community. In a similar sea of ??permissions, the rationale for a nursing college or a technical university has become divided into multiple courses. The expansion of the department's role in Himachal's development has been reduced to building new offices. Consider the TCP as the weakest department, where planning for urban development has fallen prey to the desires of politicians. While fertile buildings were built in green areas, the political circus to remove villages from urban development plans continued. If the state's permission files are so chaotic, with routes allocated, taxi permits, mining leases, and JCB licenses, then when will the standards of good governance be established? In Himachal, many political establishments thrive on the Forest Conservation Act's permissions. Here, the religion of development is a mere display of the Forest Conservation Act. In some places, forest land is laid out like a red carpet for a project, while in others, the thorns of the forest are so deeply embedded that even the public is left to suffer. The shackles of forest logging are unleashed at will and halt the entire process at will. Considering the case of the Central University's Jadrangal campus, which is embroiled in court, it can be said that the hammers of the Forest Conservation Act make politics arbitrary. This very arbitrariness has created a political case history for the establishment of the entire Central University in Dehra, where the entire Himachal Pradesh can be terrified by the character of many politicians. In the future, Shimla's Ridge will be included in the list of permits, where statues of leaders will emerge from their graves. Assume that statues of countless leaders will be installed on the Ridge in the next decades. We have become adept at misusing individual permits or permits to secure our position through cheap political maneuvering.

Preventing Road Accidents: Decision to Penalize Contractors

This measure is necessary because, as the construction of highways, expressways, and other roads increases, so too does the number of road accidents and the resulting deaths and injuries. This number has now become the highest in the world. This situation exists despite India having significantly fewer vehicles compared to other countries. The Ministry of Road Transport and Highways' decision to penalize contractors for more than one accident in a year on any section of national highways will only be effective if it actually leads to a reduction in accidents. According to information provided by the Secretary of Road Transport and Highways, contractors will be responsible for preventing accidents on roads built under the Build-Operate-Transfer (BOT) model. Similar initiatives to hold them accountable for reducing accidents in accident-prone areas of highways have been attempted before, but without significant positive results. It cannot be ignored that the ministry has identified more than 3,500 accident-prone areas across the country. Why are there so many accident-prone areas on our highways, and why haven't they been rectified yet—especially when a campaign was launched for this purpose? The question also arises whether measures have been taken to ensure that the construction of highways prevents the creation of accident-prone areas in the first place. It cannot be overlooked that instances of faulty design and poor engineering in road construction are frequently found in our country. A major cause of accidents on highways is the incorrect design of the roads. It is this lack of proper design that leads to the creation of accident-prone areas. Regarding the responsibility placed on contractors to prevent accidents on roads built under the BOT model, the question naturally arises: how will it be determined who is responsible for an accident? If contractors shift the blame for accidents onto the drivers, then how will this new initiative be effective? Similarly, another question arises: under the other systems besides the BOT model, under which highways are constructed, who will be responsible for preventing accidents? It is imperative that answers to all such questions are found and measures are taken at every level to curb road accidents. This is necessary because as the construction of highways, expressways, and other roads increases, the number of road accidents and the number of people killed and injured in them is also steadily rising. This number has now become the highest in the world. This situation exists despite India having far fewer vehicles compared to other countries.

A Tragedy Every Month: A Mere Formality in the Name of Crowd Management

In September, nearly 40 people died in a stampede in Tamil Nadu's Chengalpattu district; in August, four devotees lost their lives in Shivpuri, Madhya Pradesh; in July, two died in Hathras, Uttar Pradesh, and six in Haridwar, Uttarakhand; in June, three died in Puri, Odisha, and 11 devotees perished in Belagavi, Karnataka. Someone once defined a stampede as a "horrific crime committed by a group of almost innocent people." Unfortunately, India is increasingly becoming the site of this "crime." Every news report of a stampede leaves a new stain on our society and governance system. The recent stampede at the Venkateswara Swamy Temple in Tirupati, Andhra Pradesh, which claimed nine lives, has once again reminded us that crowd management in India still relies on luck. The administration, police, and organizing committees always sing the same tune of investigations and compensation, but the reality is that neither is anyone punished nor is any lesson learned. Someone rightly said that a stampede is a horrific crime committed by a group of innocent people. This crime is repeated because our administrative system does not consider it a crime at all. It dismisses it as an accident. Just look at the events of a single year, and the picture is horrifying. Several tragedies occurred in one year – in September, nearly 40 people died in a stampede in Tamil Nadu's Chengalpattu district; in August, four devotees lost their lives in Shivpuri, Madhya Pradesh; in July, two died in Hathras, Uttar Pradesh, and six in Haridwar, Uttarakhand; in June, three died in Puri, Odisha, and 11 devotees perished in Belagavi, Karnataka. The year began with a stampede in Tirupati, Andhra Pradesh. After that, similar incidents occurred at the Kumbh Mela, at a railway station in Delhi, and in Nashik, Maharashtra. Despite all this, no system has been put in place to ensure that the next crowd tragedy does not occur. International Comparison: Negligence, Not Fate – It is often said that such incidents are unavoidable in a country with a huge population like India. But this argument is not true. Countries like the US and China also see millions of people participating in religious, political, or sporting events. Yet, stampedes are now rare there. The last major stampede in the US occurred in 2023, resulting in only two deaths, and before that in 2021. In China, after 62 deaths during the New Year's Eve celebrations in Shanghai in 2014, the government implemented strict security protocols for crowd control. After that, such incidents almost ceased there. This proves that stampedes are not a matter of fate but a result of negligence. Development in India has Crowd Management'. These of entry and exit routes, evacuation, communication But how many events none. The Tirupati Incident Tirupati incident, the police saying that they were not when twenty thousand for this event, how could the just a case of incompetence, of stampedes in India spans stampede at the 162 people lost their lives in a stampede at the Naina Devi Temple in Himachal Pradesh. In 2013, 115 people died in a stampede on a bridge near a temple in Ratlam, Madhya Pradesh. In 2016, 25 people died in a stampede during a religious procession on the Malviya Bridge in Varanasi, and in 2022, 12 devotees were killed in a stampede at the Mata Vaishno Devi Temple in Jammu. Ignoring the Causes and Solutions - The police and administration repeatedly claim that arrangements were satisfactory, while the deaths prove that everything was only on paper. The main reasons behind stampedes remain the same—misjudgment of crowd size, inadequate exit routes, inaction of the local administration, and the short-term memory of the public and media. Organizers assume that devotees will maintain discipline themselves. Most temples, fairs, and railway platforms have only one narrow lane or entrance. The police and administration limit themselves to photo sessions before and after the event. A few days later, no one even remembers the names of those who died. If China has learned from its experiences and taken concrete steps, why can't India? For every major event, it is possible to assess in advance how many people are likely to attend. Modern technology and crowd simulation software can be used for this. The central and state governments should make crowd management protocols legally binding. The police and volunteers should be trained in crowd behavior and psychology. With the help of drones and cameras, the movement, stagnation, and pressure points of the crowd can be monitored in real-time. Most importantly, accountability must be fixed—after every incident, instead of merely investigating "unknown causes," action should be taken against the responsible officials. The Need for Warning and Change - In a diverse and devout country like India, crowd gatherings are inevitable, but crowd crushes are not. A new stampede every month only shows that we have learned neither from technology nor from administrative honesty. Temples, fairs, and railways In the crowded train stations, the same fear, the same chaos, and the same fatal mistakes are repeated every time. Stampedes don't happen like natural disasters; they are a symptom of the disorder in our society, the indifference of the administration, and a lack of responsibility. If we don't learn from this now, the only questions remaining will be 'when' and 'where' the next tragedy will occur.



कागजों पर सिमट कर रह गई जोन व्यवस्था, पुल पर ध्वस्त हुई योजना, सुबह से लेकर शाम तक जूझते हैं राहगीर

मुरादाबाद के डबल फाटक पुल पर लगातार जाम की समस्या बनी हुई है। पुल से उतरते ही अवैध ई-रिक्षा और ऑटो स्टैंड सड़क घेरकर खड़े हो जाते हैं, जिससे ट्रैफिक रेंगने लगता है। यातायात पुलिस की मौजूदगी के बावजूद स्थिति पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा।डबल फाटक पुल पर जाम की समस्या सिर्फ पुल की चौड़ाई और ट्रैफिक दबाव तक सीमित नहीं है बल्कि प्रशासन की लापरवाही भी जाम लगने का सबसे अहम कारण है। पुल से उतरते ही अवैध रूप से संचालित हो रहे ई-रिक्षा और ऑटो स्टैंड जाम लगने का सबसे बड़ी वजह हैं।ई-रिक्षा और ऑटो चालक सवारी के इंतजार में सड़क घेरकर खड़े हो जाते हैं जिससे सड़क और भी तंग हो जाती है और ट्रैफिक रेंगने लगता है। सुबह और शाम के समय यह स्थिति बद से बदतर हो जाती है। यातायात विभाग के सिपाहियों की मौजूदगी के बावजूद इस अव्यवस्था पर लगाम नहीं लग पा रही है।कई बार पुलिस इन्हें हटाती है लेकिन कुछ देर बाद फिर से वही हालात बन जाते हैं। परिणाम यह है कि डबल फाटक पुल का जाम अब रोज का दर्द बन चुका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले वर्ष यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए शहर में ई-रिक्षा के के संचालन के लिए पांच जोन निर्धारित किए गए थे। निर्णय के तहत जिस ई-रिक्षा का पंजीकरण जिस पते पर होगा उसी जोन में वह ई-रिक्षा चल सकता है। यह व्यवस्था इसलिए लागू की गई थी ताकि शहर के मुख्य मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव कम हो और जाम की समस्या से कुछ हद तक राहत मिले। जोनवार रोस्टर के अनुसार डबल फाटक क्षेत्र जोन-पांच में आता है। यहां इसी जोन के ई-रिक्षे संचालित होने चाहिए लेकिन हकीकत इसके उलट है। पुल पर किसी भी जोन के ई-रिक्षे फरटा लगाते हुए मिल जाएंगे। यातायात विभाग के सिपाही पूरे दिन यहां तैनात रहते हैं लेकिन व्यवस्था लागू करा पाने में वह भी नाकाम साबित हुए हैं। नतीजतन पुल पर हर रोज काफी लंबा जाम लग रहा है जिससे हजारों की आबादी रोजाना परेशान हो रही है।पंजीकरण से ज्यादा दौड़ रहे ई-रिक्षे- शहर में करीब 16 हजार के आसपास की संख्या में ई-रिक्षा पंजीकृत हैं जबकि सड़कों पर 20 हजार के करीब ई-रिक्षा दौड़ रहे हैं। यानी करीब चार से पांच हजार ई-रिक्षा बगैर पंजीकरण के ही सड़कों पर दौड़ रहे हैं। ग्रामीण और दूसरे शहर के भी ई-रिक्षा धड़छे से शहर में फरटा भर रहे हैं। कई ई-रिक्षा व ऑटो चालकों को जोनवार व्यवस्था के बारे में ही नहीं मालूम है। ई-रिक्षा चालक शोभित, आदिल और हारून समेत अधिकतर ई-रिक्षा चालकों को यह तक पता नहीं कि जोनवार व्यवस्था लागू है। उनका कहना है कि वह तो जहां सवारी मिलती है वहीं रुकते हैं। किस जोन में चलना है ये कभी बताया ही नहीं गया है।क्या बोले पीड़ित पुल से उतरते ही ई-रिक्षा वाले लाइन बनाकर खड़े रहते हैं यह सबसे बड़ी समस्या है। इससे सड़क आधी रह जाती है और जाम लगना तय हो जाता है। पुलिस हटाती है तो पांच मिनट में ही फिर से वही हाल हो जाता है। अगर यहां स्टैंड न लगे तो आधा जाम खत्म हो जाएगा। - विपिन पंडित, लाइनपार रिक्षा चालकों को कोई डर नहीं है। कहीं भी रोक लेते हैं। बीच पुल पर ही वह रुक जाते हैं। जोनवार व्यवस्था बनी है तो उसे लागू भी कराना चाहिए। जाम लगने से सभी को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। - अब्दुल रशीद अंसारी, पाकबड़ा- स्कूल की छुट्टी का समय हो या फिर दफ्तरों की छुट्टी का वक। पुल पार करना सबसे मुश्किल होता है। ई-रिक्षा वाले बच्चों को देखकर वहीं रुक जाते हैं। ट्रैफिक आगे बढ़ता ही नहीं। स्कूल छूटने पर अतिरिक्त यातायात सिपाहियों की ड्यूटी लगाई जानी चाहिए ताकि व्यवस्था कुछ बेहतर हो। - नबी हसन, धनपुराक्यों जाम का शिकार होते हैं राहगीर- पुल से उतरते ही ई-रिक्षा चालक सवारी के इंतजार में लेन को घेर लेते हैं। इससे वाहन आगे नहीं बढ़ पाते और जाम की लंबी लाइन लग जाती है। स्टेशन और बस अड्डा जाने का ट्रैफिक पहले से भारी रहता है। पुराने शहर की ओर जाने वाले वाहन भी यहीं से गुजरते हैं। गलत दिशा से आकर घुसने वाले वाहन स्थिति को और बिगाड़ देते हैं।इससे जाम पर पाया जा सकता है काबू- ई-रिक्षा जोन व्यवस्था लागू हो। पुल से उतरते ही ऑटो-ई-रिक्षा स्टैंड पूरी तरह प्रतिबंधित हो। सड़क किनारे सख्ती से चालान और जब्ती अभियान चले। पीक आवर में अतिरिक्त ट्रैफिक पुलिस तैनात हों। अवैध और बाहरी ई-रिक्षा को शहर सीमा में रोका जाए।ई-रिक्षा के संचालन के लिए बनाई गई जोन व्यवस्था जोन एक- लाइनपार, मानसरोवर कॉलोनी, प्रकाश नगर, रामलीला मैदान, कुंदनपुर, विकास नगर, हनुमान नगर, चाऊ की बस्ती, एकता कॉलोनी, ढक्का, पैपटपुरा, जयंतीपुर, पीर का बाजार, करूला, पुतली घर रोड, चौहानों वाली मिलक। जोन दो- बुद्धि विहार, कांशीराम नगर, मिलन विहार, खुशहालपुर, बुद्धा पार्क, शाहपुर तिगरी, सम्राट अशोक नगर, प्रीत विहार, चंद्र नगर, आवास विकास पीलीकोठी, रेलवे कॉलोनी, केंद्रीय विद्यालय, आदर्श कॉलोनी, हिमगिरी कॉलोनी, हरथला, रेलवे हरथला कॉलोनी, मोरा की मिलक। जोन तीन- पुलिस अकादमी, पुलिस लाइन, जिगर कॉलोनी, बंगलागांव, दौलत बाग, चक्कर की मिलक, पुराना आरटीओ ऑफिस, कचहरी, नवीन नगर, रामगंगा विहार, आशियाना कॉलोनी, मोरा, साई मंदिर, वेव सिटी, टीडीआई सिटी, दीनदयाल नगर।जोन चार- इंपीरियल तिराहा, बुधबाजार, मानपुर, कटरा नाज, अमरोहा गेट, मंडी चौक, संभली गेट, हैलेट रोड, बाजार गंज, टाउन हाल, बर्तन बाजार, सराफा बाजार, पारकर रोड, कंजरी सराय, गुहरट्टी चौराहा, जेल रोड, जैन मंदिर रोड, कंपनी बाग, बरादरी, मंडी चौक, दीवान का बाजार, लाल बाग, तहसील स्कूल, एस कुमार, रेती स्ट्रीट, फैज गंज, पीरगैब, जीआईसी चौराहा, जामा मस्जिद चौराहा, ताजपुर माफी, किसरौल, कानून गोयन, नवाबपुरा। जोन पांच- बरवालान, गुलाबबाड़ी, अटल घाट, कटघर रेलवे स्टेशन, मकबरा, लाजपत नगर नगर, संभल चौराहा, गांधी नगर, पीरजादा, ईदगाह,, असालतपुरा, प्रिंस रोड, इंद्रा चौक, लंगड़े की पुलिया, भूड़े का चौराहा ।

अंग्रेजी में गालियां देती है बहू...पीटती भी है, यूट्यूबर की विदेशी पत्नी पर सास के बड़े आरोप; पूरी कहानी

मुरादाबाद में यूट्यूबर फैमिली का ड्रामा सामने आया है। यहां विदेशी बहू ने पुलिस में शिकायत की है, इस पर सास ने भी पुलिस के सामने गुहार लगाई है। साथ ही आरोप लगाया है कि बहू और बेटा उनके साथ मारपीट करते हैं। वहीं, ईरान से आई उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं और अब अपने देश है।मुरादाबाद शहर के यूट्यूबर पंकज कुमार दिवाकर युवती फैजा सास और ननद के उत्पीड़न से तंग ने बृहस्पतिवार को पहले महिला थाने फिर एसपी किया। उसने बताया कि सास ने पति के साथ के जिसके जरिए सास और ननद उसे ब्लैकमेल कर रही वीडियो वायरल करने की धमकियां दे रही हैं। हालांकि लगाया है।2022 में फैजा और पंकज की इस्टाग्राम लाइंस की इंद्रप्रस्थ कॉलोनी निवासी पंकज कुमार ब्लॉगर हैं जबकि उनकी पत्नी फैजा उर्फ फाएजे की रहने वाली हैं। ईरान में सरकारी टीचर हैं। बताया और पंकज की मुलाकात इस्टाग्राम पर हुई थी फैजा की शादी इसके बाद दोनों की मुलाकात प्यार में पर पंकज ईरान गए। इसके बाद 2023 में फैजा उससे फैजा लॉन्ग टर्म वीजा पर भारत आई और हिंदू रिति ली। इसके बाद दोनों ने कोर्ट मैरिज भी की थी। थाने पहुंचीं बृहस्पतिवार को फैजा पति पंकज के सास, तीन ननद व ननदोंई पर गंभीर आरोप लगाए। महिला थाना प्रभारी फैजा, उसके पति और सास को लेकर एसपी सिटी कार्यालय पहुंच गई। यहां पीड़िता ने बताया कि सास ने उसके निजी वीडियो बना ली है। फैजा ने अपने देश लौटने में मदद करने की गुहार लगाई इन वीडियो के जरिए उसे ब्लैकमेल किया जा रहा है। सास ताने देती है कि पिता के घर से दहेज में कुछ नहीं लाई है। रुपये व तोहफे न देने पर वीडियो वायरल करने की धमकी दी जा रही है जिससे वह तंग आ चुकी है। उसने अपने देश लौटने में मदद करने की गुहार लगाई है। फैजा के साथ उसके पति पंकज ने वीजा लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।पति के पुराने मोबाइल को सास ने कहीं छिपा दिया फैजा ने अपना दर्द बयां करते हुए कहा कि उनके पति का पुराना फोटो सास के पास है जिसे उन्होंने कहीं छिपा दिया है। इस मोबाइल में ही पति और उनकी फोटो और वीडियो हैं। फैजा ने आशंका जताई है कि इस वीडियो को उन्हें और पंकज को बदनाम करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।आरोप है कि सास ने अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर भी उसके अश्लील वीडियो पोस्ट किए थे जिससे उसकी सामाजिक छवि धूमिल हुई है। फैजा ने अपनी सास पर यह भी आरोप लगाया है कि वह अपने भाइयों से उसे धमकी दिलवाती हैं। कैफे किया बंद, अब पत्नी के साथ ईरान जाएंगे पंकज- फैजा से शादी के बाद पंकज ने मुरादाबाद में कैफे का संचालन किया था लेकिन परिवार में कलह की वजह से पंकज ने कैफे बंद कर दिया है। पंकज का कहना है कि अब वह भी फैजा के साथ ईरान जाएंगे। अंग्रेजी में गालियां देती है बहू, पैतृक घर बिकवाना चाहती है फैजा - फैजा की सास कुंता देवी ने बहू के आरोपों को निराधार बताया है। उसने आरोप लगाया है कि बहू उसके साथ मारपीट करती है और अंग्रेजी में गालियां देती है। अब बहू उसकी संपत्ति बिकवा कर बेटे को ईरान ले जाना चाहती है। पैतृक मकान बिक गया तो वह कहां रहेंगी। वह पहले भी सात लाख रुपये खर्च कर बेटे को दो बार ईरान भेज चुकी हैं। फैजा की सुरक्षा करेगी पुलिस -एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने पीड़िता की शिकायत सुनने के बाद उसे आश्वासन दिया है कि वह जब तक यहां रहेंगी पुलिस उनकी सुरक्षा करती रहेगी। उन्होंने महिला थाना प्रभारी को निर्देश दिया है कि वह बीच-बीच में फैजा की ससुराल जाएंगी और फैजा से बात करें कि उन्हें कोई परेशान तो नहीं कर रहा है। फैजा बोली अंग्रेजी तो महिला थाना प्रभारी नहीं सुनी शिकायत - फैजा अपने पति के साथ महिला थाने पहुंची और प्रभारी से मिलीं। फैजा ने अंग्रेजी में अपनी शिकायत रखी तो थाना प्रभारी उसकी शिकायत नहीं सुन पाई। इसके बाद महिला थाना प्रभारी ने एसपी सिटी को इसकी जानकारी दी। इसके बाद एसपी सिटी ने पीड़िता की शिकायत सुनी और उसका समाधान भी किया।



फैजा ने सास और ननदों पर लौटने की गुहार लगाई से प्रेम विवाह करने वाली ईरानी आकर अपने देश लौटेगी। फैजा सिटी कार्यालय में अपना दर्द बयां निजी वीडियो बना लिए हैं हैं। रुपये और तोहफे न देने पर फैजा ने पति पर कोई आरोप नहीं पर हुई थी मुलाकात सिविल दिवाकर यूट्यूबर हैं और ड्रैवल अर्वादी ईरान के हमदान सिटी जा रहा है कि 2022 में फैजा ने हिंदू रिति रिवाज से पंकज से बदल गई थी और फैजा के बुलाने मिलने भारत आई थी। 2024 में रिवाज से पंकज से शादी कर फैजा पति पंकज के साथ महिला साथ महिला थाने पहुंचीं और

संक्षिप्त समाचार

गोली से फट गया था फेफड़ा..., पड़ोस ने इसलिए नेकपाल को मार डाला; कातिल का चौंकाने वाला कबूलनामा

फर्मकर्म नेकपाल की हत्या के मुख्य आरोपी अमन को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। उसके पैर में गोली लगी है। पूछताछ में उसने कबूला कि दो माह से चले आ रहे विवाद और अपनी हत्या के डर से उसने नेकपाल को गोली मार दी थी। पुलिस ने दो अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है।मुरादाबाद के मझोला थाना इलाके में बुधवार रात करीब नौ बजे फर्मकर्म नेकपाल की हत्या करने के बाद भागे मुख्य आरोपी अमन को पुलिस ने सात घंटे बाद बाद मुठभेड़ में दबोच लिया उसके पैर में गोली लगी है। उसने पूछताछ में कबूला है उसे अपनी हत्या का डर सता रहा था इसलिए उसने नेकपाल को मार डाला। पुलिस ने अमन के पिता राजू और राजा के गेंदा लाल को भी गिरफ्तार कर लिया है। मझोला के लाइनपार एकता कॉलोनी प्रीतम निवासी नेकपाल (23) की बहन को दो माह पहले पड़ोस में रहने वाला अमन अपने साथ ले गए था। परिवार के लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी तो आरोपी ने उसी दिन शाम को नेकपाल की बहन को घर छोड़ दिया था। इस बात को लेकर दोनों परिवार के बीच विवाद चल रहा था। आरोप है कि अमन और उसके बहनोई राजा ने नेकपाल के मामा पप्पू के साथ मारपीट की थी। बुधवार की रात करीब नौ बजे नेकपाल ने अमन और उसके बहनोई राजा से मामा को पीटने का कारण पूछताछ तो उन्होंने नेकपाल की पिटाई शुरू कर दी। नेकपाल को बचाने उसका भाई गगन पहुंचा तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट की। आरोपियों ने नेकपाल के सीने पर तमंचा सटा कर गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद आरोपी तमंचा लहराते हुए भाग गए थे।इस मामले में नेकपाल के भाई गगन ने आरोपी अमन, उसके बहनोई राजा, पिता गेंदालाल और भाई राजू और 4-5 अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया था। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार की सुबह करीब चार बजे पुलिस टीम हत्यारोपियों की तलाश में जुटी थी। इसी दौरान खदाना जाने वाले रास्ते पर बाइक पर दो युवक आते दिखे। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो बाइक सवारों ने फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी फायरिंग की जिसमें पैर में गोली लगने से प्रीतम नगर निवासी अमन घायल हो गया जबकि उसका बहनोई राजा पुलिस को चकमा देकर भाग गया। पुलिस ने घायल अमन को को जिला अस्पताल में कराया है।आरोपी ने पूछताछ कि बताया कि दो माह से नेकपाल और उसके परिवार से विवाद चल रहा था। उसे लगने लगा कि इस रंजिश में नेकपाल उसकी हत्या कर सकता है।इसलिए उसने अपने पिता, भाई और रिश्तेदार के साथ मिलकर नेकपाल की हत्या की है। इसके बाद पुलिस ने अमन के पिता राजू और राजा के पिता गेंदालाल को भी गिरफ्तार कर लिया। तीनों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है। गोली से फट गया था नेकपाल का फेफड़ा- मझोला थाने की पुलिस ने बृहस्पतिवार को नेकपाल के शव का पोस्टमार्टम कराया जिससे पता चला कि उसे सीने से 315 बोर की गोली मारी गई थी। जिससे उसका हार्ट और फेफड़ा फट गया था। गोली हार्ट के पास ही फंसी मिली है।मंडी समिति के सामने लोगों ने जाम लगाकर किया प्रदर्शन - मुरादाबाद में फर्मकर्म नेकपाल की हत्या के विरोध में महिलाएं सड़क पर उतर आईं। बृहस्पतिवार की दोपहर करीब तीन बजे उन्होंने मंडी समिति के सामने जाम लगा दिया और प्रदर्शन किया। इसकी जानकारी मिलने पर सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता और थाना प्रभारी रविंद्र कुमार मौके पर पहुंच गए और उन्होंने महिलाओं को समझाकर शांत किया और उन्हें बताया कि तीन आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं। बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है। इसके बाद महिलाएं सड़क से हट गईं।फर्म कर्म नेकपाल की हत्या- मुरादाबाद के मझोला थाना इलाके के लाइन पार एकता कॉलोनी प्रीतम नगर में बुधवार रात फर्म कर्म नेकपाल (23) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस हत्याकांड को पड़ोसी अमन और उसके बहनोई राजा ने अंजाम दिया है। घटना को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी हवा में तमंचे लहराते हुए भाग निकले। पुलिस के मुताबिक, गोली मारकर मौत के घाट उतारे गए नेकपाल के परिवार में उसके पिता कन्हैया, मां मोहन देई, छोटा भाई केशव और दो बहनों हैं। बड़ी बहन की शादी हो चुकी है। बताया जा रहा है कि दो माह पहले नेकपाल की बहन को पड़ोस में रहने वाला अमन अपने साथ ले गए था।परिवार के लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी थी लेकिन शाम को अमन ने नेकपाल की बहन को घर छोड़ दिया था। इस बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था लेकिन कुछ लोगों ने बीच में आकर समझौता करा दिया था। विजय सिंह ने बताया कि एक आरोपी को पकड़ लिया गया है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

इय्यँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

नगर आयुक्त से धक्कामुक्की कर्मचारियों ने गेट पर खड़े किए बुलडोजर

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। नगर नगम कार्यालय परिसर में शुक्रवार दोपहर उस वक्त हंगामा हो गया, जब अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के छात्र नेता बरेली कॉलेज के



हॉस्टल संबंधी व अन्य मांगें लेकर पहुंचे। छात्र नेताओं ने नगर आयुक्त का घेराव कर नारेबाजी की। नगर आयुक्त कार्यालय से बाहर आए तो उन्हें रोकने का प्रयास किया गया। इसके बाद वह सुरक्षाकर्मियों के साथ पैदल ही अपने आवास की ओर चले गए। घटना के बाद नगर निगम का गेट बंद कर दिया गया। कर्मचारियों ने बाहर दो बुलडोजर खड़े कर दिए। फिलहाल तनाव

की स्थिति बनी हुई है। नगर निगम के कर्मचारियों का आरोप है कि छात्र नेताओं के साथ 50-60 युवक आए और हंगामा करने लगे। कार्यालय में घुसकर नगर आयुक्त पर हावी हो गए थे। कर्मचारियों ने छात्र नेताओं पर मारपीट करने का आरोप लगाया। वहीं छात्र नेताओं का आरोप है कि उनसे धक्कामुक्की कर मारपीट की गई। इसके बाद वह सभी नगर निगम में धरने पर बैठ गए। एबीवीपी के विभाग संगठन मंत्री अवनी यादव ने बताया कि हॉस्टल संबंधी व सफाई व्यवस्था की मांग लेकर नगर निगम गए थे। आरोप है कि वहां कर्मचारियों ने उनसे धक्कामुक्की कर अभद्रता की। विभाग सह संयोजक श्रेयांश बाजपेई ने आरोप लगाया कि कर्मचारियों ने छात्रों को घेरकर पीटा। कई छात्रों को चोटें भी आई हैं। नगर आयुक्त के समर्थन में आए कर्मचारी नगर निगम में प्रदर्शन के बाद सफाई कर्मचारी भी उग्र हो गए। कर्मचारी नेता राजकुमार समदर्शी ने कहा निगम में प्रदर्शन करने वाले छात्र नहीं बल्कि गुंडे हैं। उन्होंने नगर आयुक्त के साथ अभद्रता की। बोले नगर आयुक्त कहाँ हैं। गेटों पर धक्कामुक्की की। नारेबाजी करने के साथ गाली गलौज भी की। कर्मचारियों के साथ मारपीट की। प्रवर्तन दल के सुरक्षाकर्मियों ने आकर उन्हें बचाया। घटना के विरोध में सफाई कर्मचारियों ने हड़ताल का एलान कर दिया। कहा कि अगर आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो सफाई व्यवस्था भी बंद रहेगी।

केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा बोले- बिहार में बनेगी एनडीए की सरकार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार को बरेली के कंपनी गार्डन, योग सदन में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शामिल बीएल वर्मा ने बिहार को लेकर कहा कि साथ फिर सरकार मोदी और मुख्यमंत्री में एनडीए की डबल बिहार की जनता का एसआईआर केंद्रीय मंत्री ने कहा विपक्ष को भी इस चाहिए। देश में पहले भी एसआईआर हुआ है। इससे मतदाता सूची से संबंधित विसंगतियां दूर होंगी। इस अभियान के व्क्षबंध में जागरूकता के लिए वह मीरगंज में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होंगे। बीएल वर्मा ने कहा कि सभी राजनीतिक दल अपने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) के माध्यम से इस अभियान को सफल बनाएं। ताकि, एक भी मतदाता छूटने न पाए और मतदाता सूची में जो भी विसंगतियां हों वह दूर हो सकें। वंदे मातरम गाकर मिलती है ऊर्जा, तुष्टिकरण की राजनीति न करें केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा ने कहा कि वंदे मातरम गीत लिखने वाले महापुरुष को हम नमन करते हैं। तिरंगा हाथ में लेकर इस गीत को गाने पर गजब की सकारात्मक ऊर्जा मिलती है और उत्साह का संचार होता है। वंदे मातरम को लेकर कोई तुष्टिकरण की राजनीति न करें। ऐसा करना देश की आजादी के नायकों का अपमान करने के समान होगा। हमारे देश की आजादी के नायक क्रांतिकारी वंदे मातरम गीत गाकर ही अंग्रेजों से लंबी लड़ाई लड़े थे।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव और आजम खान मुलाकात पर कहा ये दल नहीं दिलो का रिश्ता है

क्यूँ न लिखूँ सच / यूसुफ/ समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष हाजी तालिब अंसारी ने आज सपा प्रमुख अखिलेश यादव और खान की मुलाकात पर अपने हुए कहा कहा कि यह दल नहीं कहा कि समाजवादी पार्टी के आजम खां साहब के साथ अध्यक्ष अखिलेश यादव जी के दिलों का रिश्ता है।हाजी तालिब आजम खां साहब ने अपने सहीं, लेकिन उन्होंने कभी भी अपने जमीर का सौदा नहीं किया। उन्होंने कहा कि आजम खान साहब की समाजवादी विचारधारा ने देश को एक मजबूत वैचारिक दिशा दी है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी ने साफ कर दिया है कि मुहम्मद आजम खां साहब के साथ उनकी यादें जुड़ी हुई हैं। जो रिश्ता यादों की बारात हो, उसको कभी नहीं भुलाया जा सकता क्योंकि उसकी तस्वीर और गूंज हर वक्त कानों में गूंजती है। हाजी तालिब अंसारी ने कहा कि आज की इस शानदार मुलाकात पर मेरी बहुत बहुत मुबारकबाद और दुआ है। यह रिश्ता हमेशा कायम रहे, शाद और आबाद रहे लड़ें थे।

पूरनपुर कोतवाली के कढैरचौरा में पति ने लकड़ी की पट्टी से पत्नी की बेरहमी से हत्या, पीट-पीटकर जान ले ली

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार /पीलीभीत पीलीभीत जिले के पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र के कढैरचौरा गांव में आज 7 नवंबर को एक सनसनीखेज वारदात हुई, जहां एक पति ने घरेलू विवाद के चलते पत्नी की लकड़ी की पट्टी से बेरहमी से पिटाई कर हत्या कर दी। मृतका की पहचान 32 वर्षीय रीता काल्पनिक नाम, विवरण के आधार पर के रूप में हुई, जो पति रामू (35 वर्ष) के साथ रहती थी। सूत्रों के अनुसार, छोटे-मोटे झगड़े पर भड़ककर रामू ने पट्टी से कई बार किए, जिससे रीता गंभीर रूप से घायल हो गई और झगड़े पर ही दम तोड़ दिया। शोर सुनकर पड़ोसी पहुंचे, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। पुलिस ने पंचायतनामा भरकर शव को जिला अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया

पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर मंडल ने व्यापार विकास बैठक का आयोजन किया

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। मंडल रेल प्रबंधक, इज्जतनगर सुश्री वीणा सिन्हा की अध्यक्षता में वाणिज्य विभाग द्वारा इज्जतनगर मंडल के सेवित क्षेत्र उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड के प्रमुख माल व्यापार विकास गई। इस बैठक वरिष्ठ मंडल संजीव शर्मा, (समन्वय) श्री म ं ड ल (द्वितीय) परि चालन सहित अन्य थे। बैठक में प्रमुख माल ग्राहकों में एफ.सी.आई., उत्तर प्रदेश से डीजीएम/मूवमेंट प्रेमचंद, एजीएम/मूवमेंट श्री पंकज पांडे, डिविजनल मैनेजर सुमित शर्मा, मैनेजर/मूवमेंट हिमांशु गुप्ता एवं एस.एन. पांडे; जोशी कोनिके से जी.एम. श्री देवेन्द्र ठाकुर व सी.ई.ओ. श्री दीपक मिश्रा; जगदीश इंटरनेशनल से सोनू खंडेलवाल, टाटा मोटर्स से श्री राजन सचदेवा, बजाज मोटर्स से श्री रितेश राय, टी.सी.आई. से अंकित स्वामी, आई.टी.सी. से मोहित सक्सेना, सेंचुरी पल्प एंड पेपर से वरिष्ठ महाप्रबंधक श्री के.एल. गुप्ता व वरिष्ठ महाप्रबंधक मुकुल रोहतगी तथा सिडकुल कॉनकोर इन्फ्रा. कंपनी लिमिटेड से मुख्य कार्यकारी अधिकारी अतुल कुमार सिंह आदि ने अपनी-अपनी मांग एवं समस्याओं से अवगत कराने के साथ रेल हित में महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक, इज्जतनगर वीणा सिन्हा ने माल ग्राहकों को रेलवे के साथ अपने सहयोग को और सशक्त करने का आग्रह किया तथा उन्हें मंडल के विभिन्न माल गोदामों पर उपलब्ध लोडिंग अवसरों के बारे में अवगत कराया।

महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में अर्न्तरमहाविद्यालयी क्रिकेट प्रतियोगिता 2025-26 का आगाज

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त अर्न्तर्महाविद्यालयी क्रिकेट प्रतियोगिता 2025-26 का शुभारम्भ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. अजीत महात्मा ज्योतिबा फुले विश्व विद्यालय , महामंत्री शशि भूषण पुरस्कार से संयोजक गिरीश चन्द्र डॉ. प्रवीन अग्रवाल, अ ग् वा ल , धीरज अग्रवाल तथा सदस्यो द्वारा दी किया गया। खेल शुभारम्भ करते हुये महाराजा अग्रसेन शिक्षा समिति के महामंत्री ने शुभआशीष देते हुए कहा कि सभी को खेल भावना से प्रेरित होकर खेलना चाहिए। क्रीड़ा संयोजक ने इस अवसर पर उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया एवं सभी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। वहीं विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक द्वारा सभी खिलाड़ियों को शुभआशीष देते हुये बताया कि विश्वविद्यालय स्टेडियम में आई.सी.सी. नियमों के अनुसार क्रिकेट पीच बनाई जा रही है जिसका उद्घाटन शीघ्र ही किया जायेगा जिससे कि क्रिकेट खेल की गुणवत्ता में सुधार होगा। प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल ने सभी खिलाड़ियो का उत्साहवर्धन किया। क्रीड़ाधिकारी ई. धीरज अग्रवाल ने खेल प्रतियोगिता की रूपरेखा से सबको अवगत कराया। आज के पहला मैच महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखण्ड विश्वविद्यालय परिसर तथा जी.एफ. कॉलेज शाहजहाँपुर के मध्य खेला गया जिसमें जी.एफ कॉलेज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। विश्वविद्यालय टीम ने निर्धारित ओवरो में 145 रन बनाये छ जी.एफ. कॉलेज को मात्र 90 रन पर आउट कर विश्वविद्यालय की टीम ने 55 रन से हरा दिया। वहीं दूसरा मैच बरेली कॉलेज, बरेली एवं एस.एस. कॉलेज शाहजहाँपुर के मध्य खेला गया जिसमें एस.एस. कॉलेज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। एस.एस. कॉलेज ने पहले बल्लेबाजी करते हुये 6.5 रन प्रति ओवर की दर से निर्धारित ओवरों में 8 विकेट खोकर 130 रन बनाये।वही बरेली कॉलेज की टीम 40 रन पर सिमट गई क्रीड़ समिति के सदस्यों संचित कक्कड़, मयंक शर्मा, अजीत सिंह, प्रफुल्ल पाठक, रामलखन का विशेष योगदान रहा। मंच संचालन डॉ. सोनल अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर चीफ प्राक्टर डॉ. विपुल मेहरोत्रा, संजीव कुमार सक्सेना, प्रथमेश कुमार, आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने पर पुलिस लाइन स्थित सामूहिक गायन कार्यक्रम का हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा बरेली। पुलिस लाइन में वर्ष 1875 में बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय जी द्वारा रचित, देश को एकता के सूत्र में पिरोने वाले राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् के 150 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मातरम् का सामूहिक गायन मोहम्मद अकमल खान एवं क्षेत्राधिकारी हाईवे शिवम हरमीत सिंह की उपस्थिति अधिकारी व कर्मचारियों एवं राष्ट्रगीत के 150 गौरवशाली एवं शुभकामनाएं दी गई। और राष्ट्रीय चेतना को जागृत युगों तक हम सभी को की प्रेरणा देता रहेगा। वंदे हर भारतीय के हृदय में तथा उस अमर आत्मा का प्रतीक है, जो करोड़ों भारतीयों के हृदय में जोश, त्याग, समर्पण और देश प्रेम की ज्वाला प्रज्वलित करता है। यह वह स्वर है जो पीढ़ियों से भारतवासियों के हृदयों में एकता, उत्साह और समर्पण का संचार करता आया है। आज जब हम इस राष्ट्रीय गीत की 150वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, तब यह केवल इतिहास को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि उस स्वदेशी संकल्प को पुनः दृढ़ करने का क्षण है, जिसने भारत को आत्मनिर्भरता, एकता और श्रेष्ठता के मार्ग पर अग्रसर किया। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय जी द्वारा रचित इस अमूल्य रचना ने गुलामी की दासता से जूझते भारत को एक नई ऊर्जा और पहचान दी। आइए, हम सभी इस गौरवशाली 150वें वर्ष को गर्व और उत्साह के साथ मनाएं और देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाएं। तत्पश्चात माननीय प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी से सम्बन्धित कार्यक्रम के लाइव प्रसारण को पुलिस अधीक्षक यातायात व अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण द्वारा देखा व सुना गया।



ग्राहकों के साथ एक बैठक आयोजित की में रेलवे की तरफ से वाणिज्य प्रबंधक वरिष्ठ मंडल अभियंता भारत भूषण, वरिष्ठ परिचालन प्रबंधक अरिजित सिंह, मंडल प्रबंधक जगदीप अधिकारी उपस्थित



सिंह (पर्यवेक्षक) रू हे ल ख ण ड महाविद्यालय के अग्रवाल (राष्ट्रीय सम्मानित), क्रीड़ा अग्रवाल, निदेशक प्राचार्य डॉ. सौरभ क्रीड़ाधिकारी ई. स्पोर्ट्स कमेटी के प्रज्वलित कर कार्यक्रम का

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय गीत 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में रुहेलखंड विश्वविद्यालय में हुआ सामूहिक वंदे मातरम् गायन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार आज शुक्रवार को राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में महात्मा ज्योति बा फुले रू हे ल ख ण ड विश्वविद्यालय, बरेली में प्रातः 10 बजे वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया गया तथा इसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के विषय में भी बताया गया। ज्ञातव्य है कि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् श्री बंकिम चन्द्र चटर्जी द्वारा 1875 में रचा गया और इसे स्वतंत्रण आंदोलन के दौरान भारत की एकता और स्वाभिमान की जागृत भावना को काव्यात्मक अभिव्यक्ति के रूप मे सांस्कृतिक विरासत और मातृभूमि के प्रति प्रेम का अनूठा उदाहरण मान देश को समर्पित किया गया दिनांक 24 अक्टूबर 1950 को भारतीय संविधान सभा द्वारा इसे राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया गया। कार्यक्रम में कुलसचिव श्री हरीश चंद, सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. ज्योति पाण्डेय, प्रो . जे.एन.मौर्य, श्री तपन वर्मा, सुधाकर मौर्य, अजय मौर्य सहित संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष ,शिक्षक अधिकारी कर्मचारी तथा विद्यार्थी आदि उपस्थित रहे।



दीक्षांत समारोह में 93 मेधावियों को मिलेगा स्वर्ण पदक

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। 13 नवंबर को होने वाले रुहेलखंड विश्वविद्यालय के 23 वें दीक्षांत समारोह की तैयारियां तेज हो गई हैं। इसमें 93 मेधावियों को स्वर्ण पदक से नवाजा जाएगा। वहीं, 111 शोधार्थियों को शोध उपाधि दी जाएगी। मेधावियों की सूची को कार्य परिषद की बैठक के बाद जारी की गई है। जिसमें 24 छात्र और 69 छात्राएं शामिल हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों से तीन दिन में आपत्ति मांगी है। ब मंतशा, बीकॉम फाइनेंस में शुभांगी गुप्ता, बीकॉम ऑनर्स में उज्ज्वल त्यागी, बीकॉम वार्षिक में परी ठक्कर, एलएलबी में अनुराग शर्मा, एलएलएम में संजय मिश्रा, एलएलएम साइबर लॉ में आशुतोष तिवारी, बीए एलएलबी में आरुषी मौर्य, एमएड सेकंड ईयर में निक्किता जौहरी, एमबी पार्ट टाइम में प्रतिमा दास गुप्ता, एमबीए मार्केटिंग में बुशरा, एमबीए जनरल में आलोक सक्सेना, एमबीए एग्जीक्यूटिव में शबनूर, एमएम इकोनामिक्स में प्रियांशी गंगवार, एमएम ईंग्लिस में निष्ठा शर्मा, एमए साइकोलॉजी में दिव्यांशी सिंह, एमएड में इकरा आजम, एमकाम में शिवांग शर्मा, एमए संस्कृत में हर्षी, एमएससी पर्यावरण विज्ञान में सुमित शर्मा, एमएससी जंतु विज्ञान में कौशिकी रुहेला, बीएचएमसीटी में एंटोनियो जैकब, एमए उर्दू में अंसारी फरीदा, एमए सामान्य विज्ञान में राधिका शर्मा, बीटेक सीएसआईटी में विवेक कुमार, एमकॉम एनईपी में कोपल शर्मा, एमए हिंदी में पूर्णिमा चौरसिया, बीए एनईपी में रितिका, बीकॉम एनईपी में श्रेया, एमए हिंदी में प्रदुमन कुमार, एमकाम में राकेश चंद्र शर्मा, एमए अंग्रेजी में एश्वर्य, एमएसडब्ल्यू में राम सिंह आदि शामिल हैं।

खाद्य के लिए लंबी कतारों में घंटों खड़े रहे किसान, व्यवस्था पर उठे सवाल

क्यूँ न लिखूँ सच / भोजपुर। क्षेत्र में गुरुवार को खाद वितरण केंद्रों पर किसानों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही किसान खाद लंबी कतारों में स े ह ल प्ाथमिक प्राप्त करने के लिए खड़े दिखाई दिए। ब हु उ दे शी य ग्रामीण सह समिति पर किसानों को सुबह से शाम तक इंतजार करना पड़ा जिससे किसानों में नाराजगी देखने को मिली। किसानों का कहना है कि पिछले 15 दिन से रोज लाइन में लगते हैं और चले जाते हैं लेकिन उनको खाद्य 12२32;16 हक्क्य नहीं मिलता है खेतों में बुवाई का समय चल रहा है और ऐसे में खाद की कमी उनके लिए बड़ी समस्या बन गई है। कई केंद्रों पर खाद सीमित मात्रा में उपलब्ध होने के कारण कई किसानों को खाली हाथ लौटना पड़ा। वहीं किसानों ने आरोप लगाया कि समिति पर पहचान वाले किसान को तो गाड़ी भर कर खाद मिल रहा है परन्तु छोटे किसानों को खाद नहीं मिल रही है। वहीं, संबंधित अधिकारियों का कहना है कि सभी किसानों को खाद उपलब्ध कराई जाएगी। बावजूद इसके, किसानों की बढ़ती भीड़ ने खाद वितरण प्रणाली की खामियों को उजागर कर दिया है।

मंगलामुखी के घर 50 लाख की चोरी का खुलासा ,गर्लफ्रेंड के शौक पूरा करने के लिए रसोइये ने ही लगा दी सेंध

शहर में मंगलामुखी अजीम के घर चोरी हुई थी। बदनामी की बात कहते हुए अजीम ने रिपोर्ट दर्ज कराने से मना कर दिया। पुलिस के समझाने पर मामला दर्ज किया गया। जांच हुई तो अजीम का रसोइया गौरव गिरफ्त में आ गया। माल बरामद हो गया है।शहर कोतवाली पुलिस ने 18 दिन पहले मंगलामुखी अजीम के घर में चोरी का खुलासा करते हुए उसके रसोइये गौरव को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी के पांच लाख रुपये और 38



तौला सोने के गहने बरामद किए। पुलिस का कहना है कि गर्लफ्रेंड के शौक पूरा करने के लिए आरोपी ने चोरी की थी।एसपी एनपी सिंह ने शुक्रवार को पुलिस लाइन सभागार में प्रेसवार्ता में बताया कि 20 अक्टूबर को गोशाला रोड निवासी अजीम मंगलामुखी के घर से नकदी व सोने के गहने चोरी हुए थे। मंगलामुखी की तरफ से शहर कोतवाली में अज्ञात में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। शुक्रवार को पुलिस ने चोरी करने के आरोप में जिला सहारनपुर के



देवबंद थानाक्षेत्र के गांव बंदरजुडु निवासी गौरव को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से चोरी के पांच लाख रुपये नकद और करीब 45 लाख रुपये कीमत के 38 तौला सोना के गहने बरामद किए गए हैं। एसपी ने बताया कि आरोपी गौरव मंगलामुखियों के साथ रहता है और उनका खाना बनाने का काम करता है। उसकी एक गर्लफ्रेंड है। गर्लफ्रेंड के महंगे शौक पूरा करने के लिए उसने चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। वह सोने के जेवर बेचने की फिराक में था, लेकिन उन्हें बेचने से पहले ही वह पुलिस की पकड़ में आ गया। आरोपी को पहले से जानकारी थी कि घर में काफी नकदी व सोने के जेवर रखे हैं। एसपी ने शत प्रतिशत चोरी के माल की बरामदगी होने पर पुलिस टीम को 20 हजार रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। पुलिस के समझाने पर मंगलामुखी ने दर्ज कराई थी रिपोर्ट- एसपी का कहना है कि मंगलामुखी पहले पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराने को तैयार नहीं था। उसका कहना था कि घर में कई साथी मंगलामुखी रहते हैं। अगर रिपोर्ट कराई तो उनकी बदनामी होगी। पुलिस के समझाने पर वह रिपोर्ट दर्ज कराने को तैयार हुआ, ताकि जब आरोपी पकड़ा जाए तो सामान की पहचान के लिए उनकी मदद ली जा सके।

वाराणसी में अग्निवीर भर्ती रैली कल, 5:30 मिनट में दौड़ पूरी करने पर मिलेंगे 60 अंक

वाराणसी में अग्निवीर भर्ती रैली कल, यानी 8 नवंबर 2025 से शुरू होने वाली है। 1.6 किलोमीटर की दौड़ को इस बार चार समय-सीमाओं में विभाजित किया गया है। इसे 5८30 मिनट में फिनिश करने वालों को पूरे 60 अंक दिए जाएंगे। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में अग्निवीर भर्ती रैली कल, यानी 8 नवंबर 2025 से शुरू होने वाली है। वाराणसी छावनी स्थित रणबांकुरे मैदान में होने वाली अग्निवीर की भर्ती रैली के लिए तैयारियां कर ली गई हैं। सभी कैडिडेट्स को साथ पहुंचना होगा। रैली से जुड़ी जरूरी जानकारी यहां दी गई हैं। रैली पासपोर्ट साइज कलर फोटो, एकेडमिक सर्टिफिकेट, निवास प्रमाण करेक्टर सर्टिफिकेट, ग्राम प्रधान या नगर निगम द्वारा जारी करेक्टर दर्शाने वाला प्रमाण पत्र और पैन व आधार कार्ड की कॉपियां साथ में सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्र निवास प्रमाण पत्र जाति-धर्म प्रमाण पत्र पैन नगर निगम से जारी चरित्र प्रमाण पत्र अविवाहित प्रमाण पत्र जाने कौन सेना भर्ती कार्यालय के निदेशक ने मीडिया में ये जानकारी दी कि गोरखपुर, जौनपुर, मऊ, मिर्जापुर, भदोही, सोनभद्र और वाराणसी के वे पास हो गए हैं। चार समय-सीमाओं में विभाजित दौड़- सेना भर्ती कि 1.6 किलोमीटर की दौड़ को इस बार चार समय-सीमाओं में को अंक दिए जाएंगे। इसे 5८30 मिनट में फिनिश करने वालों को पूरे अभ्यर्थियों की मेरिट सूची तैयार की जाएगी। 9 फीट चौड़े गड्डे को एक छलांग में पार करना होगा- इसके अलावा बीम टेस्ट के अंक भी निर्णायक भूमिका निभाएंगे। अभ्यर्थियों को 9 फीट चौड़े गड्डे को एक छलांग में पार करना होगा और जिग-जैग बैलेंस सफलतापूर्वक पूरा करना अनिवार्य होगा। इन दोनों चरणों में असफल उम्मीदवार सीधे बाहर कर दिए जाएंगे। इतनी हाईट होनी चाहिए क्लर्क पद को छोड़कर सभी पदों के लिए न्यूनतम ऊंचाई 169 सेंटीमीटर तय की गई है, जबकि क्लर्क पद के लिए ऊंचाई 163 सेंटीमीटर अनिवार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो उम्मीदवार निर्धारित ऊंचाई से कम हैं, वे रैली में न आएँ, क्योंकि ऐसे अभ्यर्थी प्रारंभिक जांच में ही बाहर कर दिए जाएंगे।



समय पर जरूरी डॉक्यूमेंट्स (Documents) के में शामिल होते समय अभ्यर्थियों को एडमिट कार्ड, पत्र, जाति-धर्म प्रमाण पत्र, पुलिस और स्कूल से सर्टिफिकेट, अविवाहित प्रमाण पत्र, पिता से संबंध लेकर आएँ। प्रवेश पत्र पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो कार्ड और आधार कार्ड विद्यालय, ग्राम प्रधान या से उम्मीदवार हो सकते हैं रैली में शामिल बता दें कि आजमगढ़, बलिया, चंदौली, देवरिया, गाजीपुर, अभ्यर्थी इसमें शामिल होंगे, जो लिखित परीक्षा में कार्यालय के निदेशक कर्नल शैलेश कुमार ने बताया विभाजित किया गया है, जिनके आधार पर अभ्यर्थियों 60 अंक दिए जाएंगे। इन्हीं अंकों के आधार पर

राष्ट्रगीत के 150 वर्ष : ‘वंदे मातरम्’ की अमर गूंज के साथ शिवपुरी में विशेष कार्यक्रम आयोजित

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम का दिल्ली से सीधा प्रसारण देखा गया

क्यूँ न लिखूँ सच / शिवपुरी,ब्यूरो। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्रगीत ‘वंदे मातरम्’ के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में नई दिल्ली से वर्षभर चलने वाले विशेष समारोह का शुभारंभ किया गया। इसी क्रम में शिवपुरी जिले में भी आज शासकीय प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी संबोधन का सीधा प्रसारण देखा एवं रहा और वंदे मातरम् की गूंज से वातावरण गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर सामूहिक गायन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष श्री जसमंत सदस्य श्री हरवीर रघुवंशी, पूर्व अध्यक्ष श्री राजू बाथम, पुलिस अधीक्षक श्री अपर कलेक्टर श्री दिनेश चंद्र शुक्ल, एसडीएम शिवपुरी श्री आनंद राजावत, विद्यार्थी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सरकार द्वारा इस अवसर पर किए जाएंगे, प्रथम चरण = 07 से 14 नवम्बर 2025, द्वितीय चरण = 19 से 15 अगस्त 2026 (हर घर तिरंगा अभियान के साथ),चतुर्थ चरण = 01 से नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों, विद्यार्थियों, संगठनों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। कार्यक्रम के तहत 08 नगरीय निकायों में सामूहिक ‘वंदे मातरम्’ गीत का आयोजन होगा, जिसमें



एक्सीलेंस के विवेकानंद सभागार में जिला स्तरीय कार्यक्रम अधिकारियों ने नई दिल्ली में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में सुना। इस दौरान सभागार देशभक्ति के भावों से ओत-प्रोत राष्ट्रगीत ‘वंदे मातरम्’ एवं राष्ट्रगान ‘जन-गण-मन’ का जाटव, सांसद प्रतिनिधि श्री हरिओम राठौर, प्रदेश कार्यकारिणी अमन सिंह राठौड़, जिला पंचायत सीईओ श्री विजय राज, डिप्टी कलेक्टर सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, जनप्रतिनिधि, घोषित वर्षभर के विशेष समारोह चार चरणों में आयोजित 26 जनवरी 2026 (गणतंत्र दिवस), तृतीय चरण = 07 से 07 नवम्बर 2026 (समापन सप्ताह) इन आयोजनों में आम पुलिसकर्मियों, डॉक्टरों, शिक्षकों, व्यवसायियों तथा सामाजिक नवम्बर को प्रत्येक ग्राम पंचायत में तथा 10 नवम्बर को जनप्रतिनिधि एवं नागरिक स्वदेशी अपनाने का संकल्प लेंगे।

संक्षिप्त समाचार

ग्राम छानी गाँव में रामलीला का आयोजन शुरु राम लीला के आयोजन एक अच्छी परम्परा विकास पटेल धनोरा

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ कोंच(जालौन) ग्राम छानी गाँव में श्री रामलीला का आयोजन प्रारम्भ हो गया है यह



आ यो ज न लगभग एक हफ्ते भर चलेगा आज प्रथम दिवस का ी रामलीला का शुभारम्भ भाजपा के युवा नेता

विकास पटेल धनौरा ने फीता काटकर किया वही गाँव के उत्साही युवाओं सागर मुखिया देवेश पटेल राघवेन्द्र पटेल पिपूष कुशवाहा लालजी परिहार कुमार शुभम पटेल श्लोक अवस्थी शिवा शुक्ला,सत्यम राठौर,सत्येन्द्र यादव आशीष पटेल रोहित पटेल आशुतोस यादव ने मुख्य अतिथि विकास पटेल का माल्यार्पण कर स्वागत किया विशिष्ट अतिथि अंकित पटेल पड़री,रविकान्त कुशवाहा सभासद कोंच,शशांक पटेल भदारी,नेहरू पटेल धनौरा,सोमेन्द्र पटेल चमरसेना का भी सुनील कुशवाहा वीरेन्द्र भोई,अवि पटेल,सोनू यादव, छुनमुन कुशवाहा आदि ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस कार्यक्रम का सफल संचालन शिछक नेता रामशंकर छानी ने किया। अतिथियों द्वारा भगवान की आरती उतारी

कैंटर ने बाइक में मारी टक्कर , मासूम की मौत , महिला समेत तीन गंभीर घायल

पति-पत्नी, बेटा और भतीजी एक बाइक पर सवार होकर अपने घर जा रहे थे। रास्ते में कैंटर ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर से मां की गोद से मासूम सड़क पर गिर गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई । अलीगढ़ के रोरावर थाना अंतर्गत दिल्ली-कानपुर हाईवे स्थित गांव कैशोपुर जोफरी मोड़ पर कैंटर के चालक ने बाइक में टक्कर मार दी। मासूम मां की गोद से उछलकर सड़क पर गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। हादसे में पिता, मां और भतीजी गंभीर घायल हो गए। कैंटर चालक को पकड़ लिया गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार लोधा के गांव कैशोपुर जाफरी निवासी ऋषि पुत्र हरिशंकर अपनी पत्नी रिकी और भतीजी मनीषा पुत्री प्रदीप ,बेटा विपिन को बाइक पर पीछे बैठा कर खरेश्वर चौराहे से अपने घर जा रहे थे। दिल्ली-कानपुर हाईवे राजमार्ग पर कैशोपुर जाफरी मोड़ पर पहुंचे ही थे कि तेज रफ्तार कैंटर गाने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक पर बैठी महिला की गोद में बैठा उसका 11 माह का बेटा उछलकर सड़क पर गिर गया। अन्य सभी भी सड़क पर गिर गए। सड़क पर गिरते ही चंद मिनट में मासूम की मौत हो गई।हादसे में ऋषि की पत्नी रिकी, भतीजी मनीषा उम्र 11 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए। रोरावर थाने की पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा। पुलिस ने मासूम के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने कैंटर चालक को हिरासत में लेकर थाने में बंद कर दिया। कैंटर गाड़ी और क्षतिग्रस्त बाइक को कब्जे में लेकर थाना परिसर में खड़ा कर दिया।हादसे की खबर सुनकर परिवार में मातम छा गया। परिवार के लोग रोरावर थाने पहुंचे। वहां से सभी जिला अस्पताल पहुंचे। बच्चे की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। परिजन का रो-रो कर बुरा हाल है। रोरावर थाना प्रभारी निरीक्षक विजय सिंह ने बताया मृतक बच्चे के परिजनों की तरफ से थाने में अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ दायर याचिका खारिज , भारतीय राज्य से लड़ाई वाले बयान मामले में सुनवाई

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के विवादित बयान मामले में चंदौसी की एक अदालत में सुनवाई हुई। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद याचिका खारिज कर दी। इसे हिंदू शक्ति दल के अध्यक्ष सिमरन गुप्ता ने दायर की थी।कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व सांसद राहुल गांधी पर विवादित बयान को लेकर चल रहे मामले में शुक्रवार को सुनवाई हुई। दोनों पक्ष के अधिवक्ताओं के बीच बहस के बाद न्यायालय ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। शुक्रवार को सुनवाई के बाद न्यायालय ने दायर याचिका खारिज कर दी है।आगे हाईकोर्ट में अपील की जा सकती है। हिंदू शक्ति दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिमरन गुप्ता ने राहुल गांधी के खिलाफ 23 जनवरी 2025 को एमपीएमएल कोर्ट आदित्य सिंह के न्यायालय में एक वाद दायर कराया था जिसमें उन्होंने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व सांसद राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि वह आए दिन समाज विरोधी बयान देते रहते हैं। जिसके चलते 15 जनवरी 2025 को बयान दिया था कि उनकी लड़ाई भाजपा और आरएसएस से नहीं है। बल्कि भारत सरकार से है। यह बयान समाज में अस्थिरता फैलाने वाला है।

40 चालक लाइसेंस के आवेदकों/अन्य चालकों / परिचालकों द्वारा प्रतिभाग किया

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ यायातात माह नवम्बर 2025 के अन्तर्गत एवं सडक सुरक्षा के दृष्टिगत आज दिनाँक 07 नवम्बर, 2025 को उप सम्भागीय परिवहन कार्यालय उरई (जालौन) परिवहन विभाग द्वारा सहयोग से चालक अन्य वाहनों के चालकों (सुगर) परीक्षण की गया, जिसमें 40 आवेदकों/अन्य द्वारा प्रतिभाग किया चालक लाइसेंस के स्वास्थ्य, नेत्र एवं जाँच नेत्र एवं पैथलॉजी चिकित्सकों की टीम द्वारा की गयी। उक्त शिविर में सुरेश कुमार वरि0-सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशा0/प्रवर्0) जनपद-जालौन, संतोष कुमार पटेल मोटर वाहन निरीक्षक, बीर बहादुर सिंह (यातायात प्रभारी), गुड सेमेरिटन पुरस्कार से पुरस्कृत समाजसेवी अब्दुल अलीम खान एवं कार्यालय के समस्त पटल सहायक उपस्थित रहे। सुरेश कुमार वरि0-सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशा0/प्रवर्0) जनपद-जालौन द्वारा शिविर में उपस्थित चालक लाइसेंस के आवेदकों/अन्य वाहनों के चालकों को सुरक्षित परिवहन के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए जागरुक किया गया तथा सभी से अपील की गयी कि वाहन चलाते समय हेलमेट/सीटेबेल्ट का प्रयोग करें, नशे की हालत में वाहन न चलायें व वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करें, ओवर स्पीड में वाहन न चलायें, दुघटना में घायलों की सहायता करें, क्षमता से अधिक माल व सवारियों न ढोयें। साथ ही यह भी अवगत कराया गया कि स्वस्थ शरीर एवं सड़क सुरक्षा के नियमों की जागरुकता से ही सड़क दुघटनाओं में कमी लाई जा सकती है। साथ ही यह भी जानकारी दी गयी कि वाहनों को अपनी लाइन पर संचालित करने तथा वाहन को रोकते समय साइड इण्डिकेटर का प्रयोग कर सुरक्षित स्थान पर यात्रियों को उतारने, अनधिकृत तरीके से वाहन को ढ़ाबों पर खड़ी न करने एवं यात्रियों को असुविधा न हो ध्यान में रखकर यात्रा करावें।



स्वास्थ्य विभाग के लाइसेंस के आवेदकों/ के स्वास्थ्य एवं मधुमेह जाँच हेतु शिविर लगाया चालक लाइसेंस के चालकों / परिचालकों गया। उपस्थित समस्त आवेदकों / चालकों के मधुमेह (सुगर) की

समाज का बोझ कम करने आधा दर्जन से अधिक लोगों को मिली नई जिम्मेदारी, लोगों में हर्ष का माहौल, उदय कुमार पण्डो बने पण्डो समाज के प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर – पण्डो विशेष पिछड़ी जनजाति समाज के संगठन का पुनः विस्तार किया गया है। समर्पण को देखते संरक्षक राजा राम जिला स्तर से लेकर जनजाति समाज व्यापक विस्तार को मिली जानकारी के कुमार पण्डो को प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष, मोहरलाल पण्डो, रामराज पण्डो, ठाकुर प्रसाद पण्डो, पवन साय पण्डो, श्यामलाल पण्डो को प्रदेश सह सचिव की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं जिला स्तर से सर्व रामप्यारे पण्डो जिला संगठन महामंत्री, रामभवन पण्डो जिला सचिव, सीताराम पण्डो जिला उपाध्यक्ष, कैलाश पण्डो ब्लॉक अध्यक्ष व राजेंद्र पण्डो को ब्लॉक सचिव का जिम्मेदारी दी गई है। हजारों की भीड़ में चुना गया -- रघुनाथनगर में पण्डो समाज का आम सभा आयोजित किया गया था जिसमें हजारों की संख्या में आए समाज के लोगों के बीच में इसका मनोनयन किया गया। इस दौरान समाज के प्रदेश संरक्षक राजाराम पण्डो, प्रदेश सचिव श्री देवचंद राम पण्डो, संभागीय संरक्षक आगरसाय पण्डो संभागीय कार्यवाहक अध्यक्ष देवनारायण पण्डो, संभागीय उपाध्यक्ष राजकुमार पण्डो इत्यादि प्रमुख गण सहित लोग भारी संख्या में उपस्थित रहे।



पण्डो समाज के प्रति हुए समाज के प्रदेश पण्डो ने इसका राज्य स्तर तक पण्डो कल्याण समिति का किया है। इन लोगों जिम्मेदारी-- मिली अनुसार सभी उदय

वंदे मातरम् गीत की 150वीं वर्षगांठ पर ग्राम पंचायत उमझर में हुआ भव्य आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / चांदनी बिहारपुर/ वंदे मातरम् गीत की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में सूरजपुर जिले के चांदनी बिहरपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत उमझर में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन वंदे मातरम् का सामूहिक गायन कर देशभक्ति होकर वंदे मातरम् गीत के महत्व और उसकी उद्देश्य ग्रामीणों में राष्ट्रप्रेम, एकता और पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए सरपंच ने हमारी राष्ट्रीय अस्मिता और गौरव का प्रतीक पीडीएस चालक बाल सिंह तथा पंचायत में उपस्थित ग्रामीणों को चावल वितरण किया गया। इस आयोजन में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर इसे ऐतिहासिक बना दिया।



किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने राष्ट्रगीत का संदेश दिया। कार्यक्रम में ग्रामवासियों ने एकजुट ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर चर्चा की। कार्यक्रम का सांस्कृतिक चेतना को बढ़ावा देना रहा। इस अवसर कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि है। कार्यक्रम में नोडल अधिकारी बैकुंठ काशी, प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत

15 नवंबर से धान खरीदी शुरू, सड़क बंद होने की आशंका से ग्रामीणों में नाराजगी – दो वर्षों से जारी प्रशासनिक मनमानी, हजारों लोग हो रहे प्रभावित

क्यूँ न लिखूँ सच / चांदनी बिहारपुर धान खरीदी का कार्य 15 नवंबर से शुरू होने जा रहा है, लेकिन चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के ग्रामीण इस बार भी सड़क बंद होने की आशंका से चिंतित हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले दो वर्षों से धान खरीदी शुरू होते ही प्रशासनिक अधिकारी सड़क में गड्ढा खोद देते हैं और आवागमन पूरी तरह रोक दिया जाता है। इस दौरान खरीदी समाप्त होने तक सड़क बंद रहती है, जिससे हजारों लोगों को परेशानी होती है। यह सड़क चांदनी जोड़ती है। इसी मार्ग से रोजाना महुली, कोल्हूआ, चोगा, करौटी ‘ए’, भून्डा, कछवारी और मोहरसोप जैसे गांवों के ग्रामीण आना-जाना करते कामकाज के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग के अधिकारी तैनात रहते थे। उस समय सड़क चालू रहती थी सड़क में गड्ढा खोद दिया जाता है, जिससे पूरे क्षेत्र का संपर्क टूट जाता यह सड़क लगभग 10 से 12 हजार लोगों की जीवनरेखा है। हर दिन मनमानी के कारण उनका रोजमर्रा का जीवन बाधित हो रहा है। लगातार शाहिद ग्राम पंचायतों के सरपंचों ने कलेक्टर और एसडीएम सूरजपुर – धान खरीदी के दौरान सड़क को खोदकर बंद न किया जाए। सड़क अधिकारियों तथा कर्मचारियों की तैनाती की जाए। ग्रामीणों ने कहा कि अन्याय और प्रशासनिक लापरवाही का उदाहरण है। उन्होंने जिला अवधि में सड़क को न तो खोदा जाए और न ही आवागमन बाधित खोदकर रास्ता बंद किया गया, तो वे एकजुट होकर आंदोलन करने पर मजबूर होंगे।



स्मार्ट सिटी मिशन के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश में तेजी से हो रहे है निर्माण विकास कार्य

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ स्मार्ट सिटी मिशन भारत सरकार की एक शहरी नवीनीकरण और विकास की पहल है, जिसका उद्देश्य शहरों में बुनियादी ढाँचें में सुधार करना, नागरिकों को बेहतर जीवन स्तर प्रदान करना और प्रौद्योगिकी का उपयोग करके एक स्वच्छ टिकाऊ और नागरिक मूलभूत सुविधाओं का अनुकूल वातावरण बनाना है। इस मिशन के तहत शहरों के मौजूदा क्षेत्र के रेट्रोफिटिंग और पुनर्विकास ग्रीनफील्ड विकास के माध्यम से नये क्षेत्रों के निर्माण पर विशेष बल दिया जाता है। बुनियादी ढाँचे में सुधार, नागरिक जीवन की गुणवत्ता में सुधार, स्मार्ट समाधान को लागू करना, नागरिकों का आर्थिक विकास, समावेशी और टिकाऊ विकास करना आदि इस मिशन का मुख्य उद्देश्य है। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना स्मार्ट सिटी मिशन के अन्तर्गत देश के चयनित कुल 100 शहरों में उत्तर प्रदेश के 10 शहरों का चयन यथा-लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, आगरा, अलीगढ़, बरेली, झांसी, सहारनपुर व मुरादाबाद चरणबद्ध रूप से किया गया है। स्मार्ट सिटी के अन्तर्गत विभिन्न 6 श्रेणियों यथा समस्त 10 शहरों हेतु कुल अनुमन्य आउट-ले के सापेक्ष ₹0 9330.92 करोड़ की धनराशि से 678 कार्य स्वीकृत है, जिनके सापेक्ष ₹0 9066.70 करोड़ की लागत से 674 कार्य पूर्ण एवं ₹0 264.22 करोड़ की लागत से 8 कार्य प्रगति पर है। स्मार्ट सिटी के अन्तर्गत विभिन्न 6 श्रेणियों यथा (1) ईज ऑफ लिविंग, (2) कल्चर व लाइफ स्टाइल, (3) ई-गवर्नेंस व सिटीज सर्विसेज, (4) वाटर, सेनीटेशन व हेल्थ, (5) ट्रांसफोर्मिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर व यूटिलिटीज तथा (6) न्यू ऐज ट्रांसपोर्ट व मोबिलिटी के अन्तर्गत समस्त परियोजनाओं को चयनित किया गया है। केन्द्रांश की ₹0-4900.00 करोड़ व राज्यांश ₹0-4900.00 करोड सहित कुल ₹0-9800.00 करोड़ की धनराशि प्राप्त हुई है, जिसके सापेक्ष स्मार्ट सिटी शहरों द्वारा माह अक्टूबर 2024 तक कुल ₹0-9495.64 करोड़ का व्यय करते हुए निर्माण व अन्य विकास कार्य कराये गये है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने केन्द्र पुरोनिधानित स्मार्ट सिटी की तर्ज पर उत्तर प्रदेश के अन्य 07 नगर निगमों (अयोध्या, फिरोजाबाद, गोरखपुर, गाजियाबाद, मथुरा-वृन्दावन, मेरठ व शाहजहाँपुर) को राज्य स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने की अभिनय पहल की है। राज्य स्मार्ट सिटी योजना के अन्तर्गत प्रदेश के 6 नगर निगमों में ₹0-270. 00 करोड़ की लागत से आई0 टी0एम0एस0 (इन्टीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेन्ट सिस्टम) परियोजना का कार्यान्वयन कराया जा चुका है एवं इनके माध्यम से ई-चालान की कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश में इस योजना के अन्तर्गत चयनित शहरों में आईटीएमएस, स्मार्ट पार्किंग, स्मार्ट मार्ग, स्मार्ट क्लास रूम, सीनियर केयर सेन्टर, जोनल कार्यालय, वर्किंग वूमन हॉस्टल, सूर्य नमस्कार स्टैचू ओपेन जिम्, कन्वेंशन सेन्टर, मार्ग निर्माण, फसाड लाइटिंग, फूड प्लाजा, ऑगनबाडी केन्द्र, वेस्ट टू वण्डर पार्क, मार्टन कारकस प्लान्ट, कार्मिशियल काम्पलेक्स, डिजिटल लाईब्रेरी, अर्बन प्लाजा, कन्ट्रोल रूम से सी0सी0टी0वी0 कैमरों का इन्टीग्रेशन आदि ₹0 1318.33 करोड़ के कुल 109 कार्य स्वीकृत है। इन 109 कार्यो के सापेक्ष 45 कार्य पूर्ण हो चुके है। राज्य स्मार्ट सिटी योजना के अन्तर्गत कुल अवमुक्त ₹0 907.98 करोड़ के सापेक्ष ₹0 563.66 करोड़ का व्यय सम्बंधित शहरों द्वारा किया गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य स्मार्ट सिटी मिशन के अन्तर्गत ₹0 40000.00 लाख का बजट प्रावधान किया गया है। स्मार्ट सिटी मिशन के अन्तर्गत प्रदेश के 16 शहरों में लगभग ₹0-2300.00 करोड़ की लागत से आई0सी0सी0सी0 व आई0टी0एम0एस0 परियोजनायें क्रियाशील है। आई0सी0सी0सी0 द्वारा ब्रेन ऑफ सिटी के रूप में कार्य किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के सभी 17 स्मार्ट शहरों के केन्द्रीयकृत एकीकृत कमाण्ड एवं नियंत्रण केन्द्र (ICCC) को तकनीकी रूप से एकीकृत एवं निगरानी करने हेतु राज्य स्तर पर स्मार्ट सिटी राज्य केन्द्रीकृत डिजिटल निगरानी केन्द्र (Smart City State Central Digital Monitoring Center) की स्थापना का कार्य भी पूर्ण कराया जा चुका है। स्मार्ट सिटी की रैंकिंग में प्रदेश के 2 शहर (आगरा व वाराणसी) निरन्तर प्रथम 10 शहरों व 3 शहर (आगरा, वाराणसी व कानपुर) प्रथम 20 शहरों में सम्मिलित रहे है। आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित इण्डिया स्मार्ट सिटीज अवार्ड कान्स्टेस्ट-2022 में उत्तर प्रदेश के स्मार्ट सिटी शहरों के अच्छे प्रदर्शन के फलस्वरूप State/UT Awards कैटेगरी में उत्तर प्रदेश द्वारा राजस्थान के साथ संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया गया। इण्डिया स्मार्ट सिटीज अवार्ड कान्स्टेस्ट-2022 में विभिन्न श्रेणियों में उत्तर प्रदेश राज्य को कुल 10 अवार्ड प्राप्त हुए। उत्तर प्रदेश को Project Award कैटेगरी के Built Environment श्रेणी में कानपुर द्वारा पालिका स्पोर्ट स्टेडियम के आधुनिकीकरण व विकास कार्य हेतु न्यू टाउन कोलकाता के साथ संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है। श्रृष्णइश्रद्व4 श्रेणी में रोजगार ट्रेनिंग सेन्टर कार्य हेतु लखनऊ द्वारा तृतीय स्थान प्राप्त किया गया है। ICCC Sustainable Model श्रेणी में आगरा स्मार्ट सिटी द्वारा केन्द्रीकृत कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर के माध्यम से आय अर्जन व कार्बन उत्सर्जन में कमी कार्य हेतु ग्वालियर के साथ संयुक्त रूप से तृतीय स्थान, Social Aspect श्रेणी में स्मार्ट हेल्थ सेन्टर व म्युनिसिपल स्कूल के उन्नयन कार्य हेतु आगरा द्वारा द्वितीय स्थान, Water श्रेणी में आगरा स्मार्ट सिटी द्वारा ए0बी0डी0 क्षेत्र में स्मार्ट वाटर मोटर व स्काडा द्वारा 24*7 जलापूर्ति कार्य हेतु द्वितीय स्थान, Innovation Award कैटेगरी के Covid Innovation श्रेणी में आगरा द्वारा कोविड-19 के दौरान विभिन्न अभिनय कार्यो हेतु तृतीय स्थान प्राप्त किया गया। City Award कैटेगरी में नार्थ जोन के 10 लाख से अधिक की आबादी वाले स्मार्ट सिटी शहरों में वाराणसी स्मार्ट सिटी द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त किया गया। National Smart City Award कैटेगरी में आगरा स्मार्ट सिटी द्वारा पूरे देश में तृतीय स्थान प्राप्त किया गया। भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 9वीं स्मार्ट सिटी एक्सपों में कानपुर को पालिका स्पोर्ट स्टेडियम के आधुनिकीकरण व विकास कार्य हेतु Best Heritage & Historic Architecture and Landmarks Presentation अवार्ड प्राप्त हुआ। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के अंतर्गत मिलियन प्लस शहरों में देश में उत्तर प्रदेश के कुल 08 शहरों ने स्थान बनाया, जिसमें लखनऊ तीसरे स्थान पर रहा। आगरा 10वें, गाजियाबाद 11वें, प्रयागराज 12वें, कानपुर 13वें, वाराणसी 17वें, मेरठ 23वें, अलीगढ़ 26वें स्थान पर रहे। महामहिम राष्ट्रपति भारत गणराज्य द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के अंतर्गत प्रदेश के 03 से 10 लाख की जनसंख्या के 08 नगरों-गोरखपुर, मुरादाबाद, मथुरा-वृन्दावन, फिरोजाबाद, सहारनपुर, झांसी, बरेली एवं अयोध्या ने स्थान प्राप्त किया। 50 हजार से 03 लाख की जनसंख्या के 03 नगरों-बिजनौर, मोदीनगर, हरदोई तथा 20 हजार से 50 हजार जनसंख्या के नगर निकाय अनूप शहर, सिधौली, खैरागढ़ ने स्थान प्राप्त किया।

संक्षिप्त समाचार

एस.आई.आर. प्रक्रिया में दलित, मुस्लिम और गरीबों को मताधिकार से वंचित करने की साजिश ज्ञानेंद्र सिंह राघव

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ शामली शुक्रवार को शामली कांग्रेस कार्यालय पर एस.आई.आर. (Special Summary Revision) के संबंध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अखलाक प्रधान ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में जिला कोऑर्डिनेटर ज्ञानेंद्र सिंह राघव उपस्थित रहे। बैठक का संचालन वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष



सनी गुप्ता ने किया।बैठक को संबोधित करते हुए ज्ञानेंद्र सिंह राघव ने कहा कि 4 नवंबर से भाजपा के इशारे पर चुनाव आयोग द्वारा कराई जा रही एस.आई.आर. प्रक्रिया के दौरान दलित, मुस्लिम और गरीब वर्गों के वोट काटे जाने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता बृथ स्तर पर सतर्क रहें, ऋद्ध के साथ समन्वय बनाकर हर योग्य मतदाता का फॉर्म भरवाएं और भरे गए फॉर्मों की जांच करें ताकि किसी का नाम मतदाता सूची से न काटा जाए।राघव ने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह किसानों, नौजवानों और महिलाओं से जुड़े मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए तथा भ्रष्टाचार और बेरोजगारी पर पर्दा डालने के लिए इस तरह की चालें चल रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अजय राय, और राष्ट्रीय सचिव व उत्तर प्रदेश के प्रभारी प्रदीप नरवाल के नेतृत्व में वोट चोरी के खिलाफ इस लड़ाई को बृथ स्तर तक मजबूती से लड़ें।बैठक में जिला अध्यक्ष अखलाक प्रधान , चयन सिंह पुण्डीर डॉ. रामलाल कश्यप, जिला महासचिव संदीप शर्मा, जिला उपाध्यक्ष सनी गुप्ता , नगर, ब्लॉक व मंडल अध्यक्षों सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मानस प्रवचन में नगर पालिका अध्यक्ष

प्रदीप गुप्ता का सम्मान किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन) श्री मंगल मानव संघ कोंच मानस प्रवचन कार्यक्रम चल रहा है इस कार्यक्रम में शंभू दयाल स्वर्णकार महेशपुरा वालो की अध्यक्षता में आयोजित प्रथम वार्षिक उत्सव में श्री रामचरितमानस प्रवचन के तीसरे दिन मानस मर्मज्ञ साध्वी मंदाकिनी जी ने कहा की श्री राम के दो ही प्रिय पात्र हैश्री भरत लाल और श्री हनुमान जी उन्होंने कहा कि दोनों संत स्वभाव के थे भरत जी के चित्र का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा की भ का अर्थ भक्ति भजन से है र का भाव प्रकाश से है और त का तात्पर्य त्याग से है उन्होंने कहा कि भक्त के पीछे भगवान है और माया के पीछे स्वयं नाचना पड़ता है व्यक्ति का कल्याण भक्ति से ही होगा मानस में मर्मज्ञ जालौन के प्रदीप की तिवारी ने लंका कांड का वर्णन करते हुए राम रावण युद्ध का विस्तार से वर्णन किया उन्होंने कहा कि रावण अच्छी तरह जानता था की राम परमेश्वर के अवतार हैं फिर भी उसने हठपूर्वक राम से बैर कर किया और अंत में उन्हीं के हाथों मोक्ष प्राप्त किया प्रोफेसर वीरेंद्र कुमार तिवारी त्रिपाठी ने राम केवट संवाद का प्रस्तुतिकरण कर श्रोताओं को मंत्र मुक्त किया छुअतसिला देना भई नार सुहाई, पाहुन ते न काठ कठनाइ उन्होंने कहा कि जाकर सिमरन से शुभ हुई भैरे घर आवा प्रभु सोई श्री रामदेव दास जी रामायणी श्री धाम अयोध्या ने लंका विजय और प्रभु श्री राम के अयोध्या आगमन का विस्तार से वर्णन करते किया उन्होंने श्री भरत लाल को श्री हनुमान जी द्वारा प्रभु के आने की संदेश अयोध्या में भगवान का स्वागत आदि का विस्तार से वर्णन किया इस अवसर पर श्री रामदेव दास जी रामायणी और



अन्य उपस्थित संतों द्वारा पालिका अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता का स्वागत किया गया स्वागत कर आशीर्वाद दिया।समिति द्वारा अच्छे कार्य और समिति के काम में सहयोग करने के लिए श्री अमित रिछारिया संतराम अग्रवाल के के चौधरी गुप्ता, श्री राम शंकर सोनी को मरणोपरांत भदेवरा वालों की छोटे पुत्र जालौन से आए हुए श्री मानस मंगल संघ के कार्यकर्ता ओ व मंच संचालक डॉ विनोद कुमार पाठक और वीरेंद्र कुमार त्रिपाठी मुरली मनोहर मंदिर कमेटी के अध्यक्ष चतुर्भुज चंदेरिया और मंत्री अनिल कपूर का का शाल श्रीफल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।संतों और वक्ताओं का स्वागत छोटी सोनी घुरा राज कपूर छोटे अग्रवाल मोनु सोनी राजा टेनुरिया अतुल खूजा वाले सन्तोष सोनी धनौरा वाले आदि ने किया।अंत में सभी के सहयोग के लिए अध्यक्ष शम्भू दयाल स्वर्णकार ने सभी का आभार प्रकट किया। रामायण की आरती और विसर्जन पाठ के साथ समाप्त हुए कार्यक्रम में अंत में सभी को प्रसाद वितरण किया गया

Can the Wrong Hairstyle Cause Hair Loss? 8 Ways to Style Your Hair to Prevent Hair Fall

Some hairstyles chosen to look attractive can actually cause hair loss. Styles like cornrows and tight buns damage the hair follicles. To prevent hair loss, it's better to opt for options like loose braids, low buns, and headbands. These hair healthy. Tight hairstyles cause hair your hair from breakage with headbands. choose hairstyles that look good but put cornrows, high ponytails, and tight buns struggling with unexplained hair loss, more about them in detail - How some high ponytails, fishtail braids, tight braids, causing tension on the scalp. This constant This is called traction alopecia. Women prone to their hair becoming thinner and important to choose light and scalp-strength to the hair. Hairstyles that don't is beneficial for the hair. It prevents hair pressure on the scalp. This is perfect for - A bun made at the nape of the neck gives It doesn't put stress on the scalp muscles. trendy but also gives the hair a break. It tightly. Half up-half down - In this open, which reduces the weight on the hairstyle - Claw clips are used to gently provides relief from hair breakage. Twist not only looks stylish but also keeps the hair safe. Satin scarf style - Gently tying the hair with a satin scarf reduces friction, which helps retain moisture and prevents breakage. Open hair with a headband - If you like open hair, keep it under control by wearing a headband. This eliminates the need for frequent combing and prevents hair breakage. By adopting these styles, you can not only prevent hair fall but also make your hair healthy and strong.



styles put less stress on the scalp and help keep loss - Loose braids are beneficial for hair - Protect To give our hair an attractive look, we often stress on the scalp for extended periods. Styles like can damage the hair follicles. If you are also then changing your hairstyle is crucial. Let's learn hairstyles cause hair loss: Hairstyles like cornrows, and tight buns keep the hair pulled for a long time, tension weakens the hair roots, leading to hair fall. who wear these tight styles daily are especially weaker more quickly. To avoid this situation, it is friendly hairstyles that provide comfort and cause hair loss: Loose braids - Making loose braids from tangling and breaking, and also doesn't put everyday wear at the office or at home. Low bun the hair a stylish look while also being comfortable. Messy bun - A slightly loose bun not only looks helps you get rid of the habit of tying your hair hairstyle, half the hair is tied up and half is left scalp and allows the hair to breathe. Claw clip hold the hair instead of tightening it, which style - Gently twisting and pinning up the hair

These 5 vegetables can be prepared with minimal oil and spices, offering both great taste and health benefits.

Do you also think that a lot of oil and spices are necessary to make tasty food? If so, change that mindset. Yes, there are many vegetables in our Indian kitchen that taste incredibly delicious even with minimal oil and light spices. Let's in your daily diet. These vegetables taste beneficial for health. You don't need to spend think that if there is no oil in the vegetable, kitchen, we unknowingly use too much oil stomach and the heart. But did you know Indian kitchen that show their true magic your weight but are also very easy to amazing vegetables that are the perfect Bottle Gourd (Lauki) - People often don't like Bottle gourd has a very high water content, a little cumin, green chillies, and turmeric. It also helps in weight loss. Ridge Gourd (Turai) their own water. This means you don't need onions or tomatoes (by sprinkling water) and heat. This vegetable is rich in fiber and also can be prepared in various ways – as a minimal oil. The best way to cook spinach is tempering of garlic and red chillies. Spinach anemia and strengthens bones. It retains all - People usually prefer to deep-fry okra, but chop the okra into small pieces and lightly is gone, cook it with a teaspoon of oil and a few spices (coriander, turmeric, and dry mango powder). This method will make the okra healthy and delicious. Cabbage - Cabbage vegetable is very quick to prepare, and you don't need a heavy gravy for it. Steam it with a little mustard seeds, curry leaves, and turmeric. Its sweet and mild flavor comes through even with less oil. Cabbage is a good source of vitamin C and fiber, which boost your immunity. These vegetables don't require much effort or oil to cook. They are not only good for your heart and weight but also retain their natural flavor due to the minimal use of spices.



find out which 5 vegetables you can easily include amazing even with less oil. They are delicious and hours in the kitchen to prepare them. We often the taste will be bland. While working in the and spices, which can be harmful to both the that there are many 'super vegetables' in our even with minimal oil? They not only help control prepare. Today we are going to tell you about 5 combination of taste and health, even with less oil. bottle gourd much, but it is truly a king of health. so it requires very little oil to cook. Just boil it with keeps the stomach cool, improves digestion, and - Ridge gourd is one of those vegetables that release to add extra oil to cook it. You can lightly sauté then add the ridge gourd and let it cook on low helps in controlling sugar levels. Spinach - Spinach vegetable dish, with lentils, or as a stir-fry – all with by boiling or lightly steaming it. Simply add a light is rich in iron and vitamin K, which helps combat its nutrients even when cooked with less oil. Okra you can make it crispy with less oil too. To do this, roast them on a pan without oil. Once the stickiness

Pancreatic cancer symptoms are not easily recognized; if you see these 6 signs in your body, be cautious.

To raise awareness about pancreatic cancer, November is celebrated as Pancreatic Awareness Month. Pancreatic cancer is very deadly, and the most dangerous thing is that its symptoms (Pancreatic Cancer Signs) are not easily recognized. Let's learn why this happens and how its symptoms appear. The month of November is celebrated as Pancreatic Cancer Awareness Month. Pancreatic cancer symptoms are not easily stage. Pancreatic cancer is considered one of the most detection. By the time its symptoms (Pancreatic Cancer is the leading cause of deaths due to pancreatic cancer. Early Signs) so that they can be paid attention to and help pancreatic cancer. What are the symptoms of pancreatic behind the abdomen, near the spine. As a tumor grows, it upper abdomen that often radiates to the back. This pain the tumor presses on the bile duct from the liver. This causes eyes to turn yellow, stools to become lighter in color, urine loss of appetite - Rapid weight loss without any effort is a properly, leading to poor absorption of nutrients and weight loss. Additionally, appetite may decrease. Sudden onset of diabetes - The pancreas produces insulin, which controls blood sugar. If it suddenly stops working properly, a person may suddenly develop diabetes, or if pre-existing diabetes persists, it may become uncontrolled. Digestive problems - A blockage in the digestive enzymes secreted by the pancreas can cause food to be digested poorly. This can lead to nausea, vomiting, bloating, and discomfort. Fatigue and weakness - The body's energy consumption and fight against the disease can lead to increased fatigue and weakness. Why is pancreatic cancer not detected early? There are several reasons why pancreatic cancer may not be detected early. The pancreas is located very deep in the body, behind the stomach. Because of this, it is almost impossible for a doctor to feel an early tumor during a routine physical examination. In the early stages, when the tumor is small, it doesn't cause any symptoms. When symptoms do appear, they resemble common problems like gas, indigestion, or back pain, and are often overlooked by patients or doctors. Pancreatic cancer is very aggressive and can spread quickly to other parts of the body, especially the liver and lungs.



recognized; its symptoms often appear after the disease reaches an advanced deadly types of cancer. The biggest challenge with this cancer is its late Symptoms) begin to appear, the disease is already in an advanced stage. This Therefore, it is important to be aware of its symptoms (Pancreatic Cancer detect the disease as early as possible. Let's learn about the symptoms of cancer? Abdominal pain that radiates to the back - The pancreas is located can put pressure on surrounding nerves and organs, causing pain in the may come and go. Jaundice - This is a significant symptom that occurs when bilirubin to accumulate in the body. This causes the skin and whites of the to become darker, and the skin to become itchy. Unexplained weight loss and common sign of cancer. In pancreatic cancer, the body cannot digest food



Everything will seem dull compared to the glamour of the 41-year-old TV 'Bhabhiji', 'Gori Ma'am' is creating a sensation on the internet.

Saumya Tandon is a well-known face of television; she has made a name for herself in every household with the serial 'Bhabiji Ghar Par Hain'. However, apart from television, she also remains popular on social media where fans are captivated by her fashion style. TV's Bhabhiji is very stylish even at the age of 41 - You will fall in love with Saumya Tandon's pictures - She gives tough competition to Bollywood actresses in terms of style. You must be familiar with the serial 'Bhabiji Ghar Par Hain'. In this serial, Shubhangi Atre and Shilpa Shinde, as Anguri Bhabhi, have garnered a lot of attention, but another Bhabhiji from the same serial, Saumya Tandon, is also quite bold and beautiful in real life and gives tough competition to Bollywood actresses even at the age of 41. Saumya Tandon is very bold and beautiful even at the age of 41. She gives tough competition to Bollywood actresses with her fashion style. Saumya Tandon flaunting her charm by the sea. Saumya Tandon looks exactly like a mermaid in a golden shimmery gown. She raises the temperature of the internet with her bold and beautiful looks.

How is this possible?... Rashmika Mandanna expresses her astonishment regarding Mahesh Babu

South actress Rashmika Mandanna is currently riding the wave of success. Recently, Rashmika gave a surprising answer to a question asked about South superstar Mahesh Babu on social media. Rashmika Mandanna answered fans' questions in a special Q&A session on social media. The actress spoke about superstar Mahesh Babu. Currently, actress Rashmika Mandanna is constantly making headlines for the success of her film 'Thama'. In the past few years, Rashmika has achieved great success in South Indian cinema as well as in Bollywood as an actress. Recently, she held an 'Ask Me Anything' session on social media, in which she answered many questions from her fans. During this session, a user asked Rashmika Mandanna a question about South superstar Mahesh Babu, to which the actress gave a surprising answer. Let's find out what the 'The Girlfriend' actress said - Rashmika spoke about Mahesh Babu: Artists also inspire each other. Some are inspired by someone's work, while others are inspired by someone's discipline. If we talk about actress Rashmika Mandanna, she is very impressed by actor Mahesh Babu. Rashmika has also worked in films with Mahesh Babu. Rashmika shared these things about Mahesh Babu on X (formerly Twitter). On Monday, she held a Q&A session on X and asked her fans to ask questions. Then, questions poured in for Rashmika. One user asked what she likes about Mahesh Babu. To this, she wrote that she thinks that Sir (Mahesh Babu) will never get old. In fact, he is getting younger. I really like this about him. How is this even possible? Rashmika Mandanna will be seen in this movie - Regarding her new film 'The Girlfriend', which is releasing in theaters on November 7th, Rashmika further said that this film was much more mentally challenging for her compared to 'Thama'. When her fans requested her to do a Tamil film, Rashmika, talking about her upcoming film after 'The Girlfriend', said that she is currently working on a pan-India film and it will be some time before she does a purely Tamil film. She wrote that discussions are underway for a few films and hopefully things will work out.



At 59, Salman Khan Shows Off a Solid Physique; Fans Amazed by His Fitness Transformation

Mega superstar Salman Khan is well-known for his impressive fitness. Late at night, Salman shared some latest photos on social media, showcasing his amazing fitness transformation at the age of 59. Salman Khan is incredibly excellent physique. - He is preparing is an actor in the Indian film industry fitness. Salman, who is the heartthrob weight gain. But now he has shown critics will be silenced after seeing Bhaijaan shared his latest photos on age of 59, his powerful physique is Fitness - The trend of fitness in Khan. He constantly motivates his pictures. He did the same on Monday X handle. In these pictures, you can with the photos, the superstar wrote something, you have to give up anything." Fans are also surprised wondering how he lost weight and these pictures of Salman Khan are showering likes and comments on his at the age of 59, when most people age, Salman Khan is a living example Salman's preparations for Battle of preparations for his upcoming film, attention to his fitness transformation playing the role of martyred Indian



fit at 59. His latest photos show off his for the Battle of Galwan. Salman Khan who is known worldwide for his solid of millions, was trolled recently for his such a solid transformation that his these pictures. On Monday night, social media, showing that even at the unmatched. Salman Khan's Solid Bollywood was truly started by Salman fans to hit the gym by sharing his and shared some photos on his official see him working hard in the gym. Along in the caption of the tweet - "To gain something, this is without giving up to see these pictures of Sallu Bhai, got his body back in shape. Overall, going viral on social media. Fans are photos. Salman deserves praise because consider themselves on the verge of old for them of staying fit and looking young. Galwan: Salman Khan is making special Battle of Galwan. He is paying particular for this role. In this movie, he will be Army Colonel B. Santosh Babu.